door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in | हिंदी दैनिक | गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 312 | गुवाहाटी | बुधवार, 12 जून, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

13 साल के लड़के ने दी थी आईजीआई एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, धरा गया — पेज 2
मंत्री अशोक सिंघल ने राज्य नगर पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों के साथ... — पेज 3
योगी कैबिनेट की बैठक में तबादला नीति समेत 41 प्रस्तावों पर लगी मुहर — पेज 5
नेपाल के लिए अंतिम दो लीग मैच खेलेंगे लामिछाने — पेज 7

# सतह पर आया भाजपा-आरएसएस का तनाव, शीर्ष नेताओं पर उठ रहे सवाल

**नई दिल्ली।** लोकसभा चुनाव बीतने के बाद भाजपा और आरएसएस का तनाव सतह पर आ गया है। मणिपुर में हो रही हिंसा को शांत करने में असफलता और चुनावों के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा उपयोग की गई *अभद्र* भाषा पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का बयान इसी तरफ इशारा कर रहा है कि दोनों संगठनों के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। इसके ठीक बाद संघ का मुखपत्र मानी जाने वाली एक पत्रिका में छपे एक लेख ने इस तनाव पर पड़े सभी पर्दे हटा दिए हैं। लेख में आरोप लगाया गया है कि चुनावों के दौरान भाजपा नेता-कार्यकर्ता आरएसएस नेताओं-कार्यकर्ताओं से सहयोग लेने के लिए नहीं पहुंचे। इसके बाद सियासी गलियारे में खलबली मच गई है। दरअसल, काफी लंबे समय से इस बात के संकेत मिल रहे थे कि दोनों संगठनों के बीच सब कुछ ठीक-ठाक नहीं है। इसका सबसे पहला संकेत तब मिला था जब आरएसएस ने अपनी स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रमों को स्थगित कर दिया था। संगठन लगभग दो साल से इस बात की योजना बना रहा था कि संघ की स्थापना के सौ साल पूरे होने पर 2025 में पूरे देश में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के जरिए संघ को देश के सभी गांवों तक ले जाने का लक्ष्य भी निर्धारित किया गया था। इसके लिए विभिन्न कार्यक्रमों की योजना बनाई जा रही थी। लेकिन अचानक ही संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अप्रैल में नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान यह घोषणा कर दी थी कि संघ अपने जन्मशती के कार्यक्रम को भव्य तरीके से नहीं मनाएगा। उन्होंने कहा कि संघ बेहद सादगीपूर्ण तरीके से सामाजिक परिवर्तन के लिए काम करता है, संघ के स्वयंसेवक यह काम करते रहेंगे। लेकिन संघ की स्थापना के सौ वर्ष पूरे होने पर कोई भव्य कार्यक्रम नहीं आयोजित किए जाएंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इन तनावों को कभी सतह पर नहीं आने दिया। लेकिन उनके एक बयान की काफी चर्चा हुई थी, जिसमें उन्होंने कह दिया था कि भाजपा अब काफी परिपक्व हो चुकी है और उसे अब आरएसएस के सहयोग की आवश्यकता नहीं है। नड्डा का यह बयान बेहद संतुलित संदर्भों में था, लेकिन इसका आशय यही निकाला गया कि भाजपा-आरएसएस में तनाव ज्यादा है। पार्टी को इसका नुकसान भी उठाना पड़ा। लोकसभा चुनावों के पहले संघ के बेहद वरिष्ठ पदाधिकारियों ने चुनावों को लेकर पार्टी के साथ समन्वय करने की कोशिश की थी। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी अरुण कुमार ने चुनावों की घोषणा से पूर्व ही गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के संगठन मंत्री बीएल संतोष के साथ भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में लगातार पांच दिन तक मैराथन बैठकें की थीं। कहा गया था कि संगठन के शीर्ष नेता देश की एक-एक सीट का गंभीर आकलन कर हर लोकसभा चुनाव के अनुसार अलग रणनीति तैयार कर रहे हैं। इसका उद्देश्य चुनाव में 400 सीटों के असंभव से लक्ष्य को हासिल करना बताया गया था। इसी तरह की बैठकें राज्यों के स्तर पर भी किए गए थे। लेकिन संघ सूत्रों का कहना है कि इस बार भाजपा के कार्यकर्ता संघ के पदाधिकारियों से अपेक्षित सहयोग करने के लिए तैयार नहीं थे। कई सीटों पर भाजपा नेताओं को सब कुछ ठीक न होने की जानकारी भी दी गई थी, लेकिन इस पर समय रहते कोई एक्शन नहीं लिया गया। उलटे जिन उम्मीदवारों के बारे में संघ से नकारात्मक संकेत दिए गए थे, उन्हें भी टिकट पकड़ा दिया गया। पार्टी को इसका चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ा। संघ सूत्रों के अनुसार, लोकसभा चुनावों के पूर्व ही भाजपा नेतृत्व को यूपी में संगठन और सरकार में सब कुछ ठीक न होने की जानकारी दे दी गई थी। चुनाव के बीच भी सरकार और संगठन के आपसी तालमेल के बिगड़ने की जानकारी पार्टी नेतृत्व को दे दी गई थी। लेकिन इसके बाद भी इसे सुधारने की कोशिश नहीं की गई। उलटे भाजपा के कुछ शीर्ष नेताओं के बयानों ने स्थिति को और ज्यादा उलझाने का ही काम किया। केंद्र में भाजपा की -शेष पृष्ठ दो पर

## मोहन चरण माझी होंगे ओडिशा के नए मुख्यमंत्री

**भुवनेश्वर।** ओडिशा में मुख्यमंत्री पद के लिए चल रहा सस्पेंस आज खत्म हो गया है। मोहन चरण माझी ओडिशा भाजपा के पहले मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ ही पार्टी ने ओडिशा में दो मुख्यमंत्रियों वाला फार्मुला अपनाते हुए कनक वर्धन सिंहदेव एवं प्रभाति प्रविदा को उपमुख्यमंत्री बनाया है। ओडिशा विधानसभा चुनाव-2024 के नतीजे 4 जून को घोषित होने के बाद आज भाजपा विधायक दल की बैठक हुई, जिसमें सबकी सहमति से मोहन चरण माझी को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को 4.5 करोड़ उड़िया लोगों की सेवा के लिए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा की है। -शेष पृष्ठ दो पर

## रकीबुल हुसैन ने विधायक पद से दिया इस्तीफा

**गुवाहाटी।** सबसे अधिक अंतर से लोकसभा के लिए चुने गए कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन ने मंगलवार को असम विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने उपसभापति नुमाल मोमिन और कई कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी को अपना त्यागपत्र सौंपा। धुबड़ी से निर्वाचित सांसद को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) द्वारा विदाई भी दी गई। नगांव जिले के सामगुरी से पांच बार विधायक रहे हुसैन मौजूदा विधानसभा में सीएलपी के उपनेता थे। विदाई समारोह में विपक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

शर्मा हार्डवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

### सुप्रभात

*आसमान की तरफ देखो। हम अकेले नहीं हैं। सारा जहां हमारा दोस्त है और सपने देखने और उन्हें पूरा करने वालों की मदद करता है।*

– **अब्दुल कलाम**

### न्यूज गैलरी

#### 24 से शुरू होगा संसद का विशेष सत्र, 26 को हो सकता है लोस स्पीकर का चुनाव

**नई दिल्ली।** संसद का 8 दिवसीय विशेष सत्र 24 जून से शुरू होने वाला है। सूत्रों के मुताबिक 8 दिवसीय सत्र में 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, 24 और 25 जून को नए सांसद शपथ लेंगे। विशेष सत्र के -शेष पृष्ठ दो पर

#### लोस अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा और टीडीपी में शीतयुद्ध छिड़ा

**नई दिल्ली।** लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर भाजपा और तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के बीच शीत युद्ध शुरू छिड़ गया है। आंध्र प्रदेश की राजमोंद्री सीट से चुनी गईं बी पुरंदेश्वरी को भाजपा पहले ही लोकसभा अध्यक्ष बनाने का फैसला कर चुकी है। पुरंदेश्वरी भाजपा की आंध्र प्रदेश राज्य समिति की अध्यक्ष और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की चचेरी बहन हैं क्योंकि वह एनटी -शेष पृष्ठ दो पर

## सीएम ने गुवाहाटी आईआईएम के प्रस्तावित स्थल का किया निरीक्षण

**गुवाहाटी (हि.स.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुवाहाटी आईआईएम के प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए आज कहा कि राज्य के लोगों का एक सपना शीघ्र ही पूरा होने वाला है। असम में बनने जा रहे गुवाहाटी आईआईएम के प्रस्तावित स्थल का उन्होंने निरीक्षण किया। उसकी बारीकियों को समझा। कामरूप (ग्रामीण) जिले में 574 एकड़ से अधिक भूमि पर बनने वाला यह प्रतिष्ठित -शेष पृष्ठ दो पर

## गुवाहाटी में बड़ा रेलवे लोन घोटाला उजागर, सात लोग गिरफ्तार

**गुवाहाटी।** एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में लताशिल पुलिस ने गुवाहाटी में हाल ही में हुए बड़े रेलवे ऋण घोटाले के सिलसिले में सात व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जांच का नेतृत्व नगर पुलिस द्वारा किया गया था। इसने 10 करोड़ रुपए की चौंकाने वाली राशि के गबन के आरोपी जटिल रैकेट का पर्दाफाश किया है। इस जटिल योजना में जाली बैंक खाते बनाना शामिल था। ये खाते प्रमुख बैंकों में रेलवे कर्मचारियों के नाम पर थे। इनमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) शामिल थे। चिंताजनक रूप से, प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि इस धोखाधड़ी के संचालन में पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) के उच्च पदस्थ अधिकारी शामिल हैं। जांच के अनुसार घोटालेबाजों ने वैध वेतन खातों को ऋण खातों में बदलकर काम किया। ये रेलवे कर्मियों के थे और फिर उन्होंने रेलवे प्रणाली के भीतर बैंक खाते के विवरण को बदल दिया। यह ऋण की आड़ में धन के गबन को सुविधाजनक बनाने के लिए था। इस हेरफेर ने अपराधियों को बिना पकड़े गए बड़ी मात्रा में धन निकालने में सक्षम बनाया। अपने धोखे को और आगे बढ़ाने के लिए जालसाजों ने रेलवे कर्मचारियों के कथित तौर पर कई जाली टिकट और दस्तावेज बनाए। इस योजना के इस पहलू में रेलवे विभाग के भीतर डेटा एंट्री ऑपरेटर और बिचौलिए तथा ब्रोकरेज नेटवर्क शामिल थे। गिरफ्तार किए गए लोगों में मालीगांव, गुवाहाटी में एनएफआर के लेखा विभाग के एक अधिकारी फणींद्र कुमार भी शामिल हैं। हिरासत में -शेष पृष्ठ दो पर

## कैबिनेट मंत्री सोनोवाल ने मंत्रालय का कार्यभार संभाला

**नई दिल्ली।** प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली है और सर्वानंद सोनोवाल को केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय की प्रमुख जिम्मेदारियां फिर से दी गई हैं। सोनोवाल ने औपचारिक रूप से केंद्रीय कैबिनेट मंत्री के रूप में विभाग का कार्यभार संभाला और राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर सहित -शेष पृष्ठ दो पर

## पीएम ने सोशल मीडिया से मोदी का परिवार हटाने की अपील की

**नई दिल्ली (हि.स.)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को लोगों से अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से *मोदी का परिवार* हटाने की अपील की। उन्होंने कहा कि डिस्प्ले नाम बदल सकता है लेकिन भारत की प्रगति के लिए प्रयास करने वाले एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट है। लोकसभा चुनावों के बीच बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार को लेकर निजी टिप्पणी की थी। इसके बाद भाजपा नेताओं और पार्टी समर्थकों ने सोशल मीडिया पर अपने प्रोफाइल पर *मैं हूं मोदी का परिवार* जोड़ने का एक अभियान चलाया था। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि चुनाव प्रचार के दौरान, पूरे भारत में लोगों ने मेरे प्रति स्नेह के प्रतीक के रूप में अपने सोशल मीडिया पर मोदी का परिवार जोड़ा। इससे मुझे बहुत ताकत मिली। भारत के लोगों ने एनडीए को लगातार तीसरी बार बहुमत दिया है, जो एक तरह का रिकॉर्ड है और हमें अपने देश की बेहतरी के लिए काम करते रहने का जनादेश दिया है। उन्होंने आगे लिखा कि हम सभी एक परिवार हैं, यह संदेश प्रभावी ढंग से पहुँचाए जाने के बाद, मैं एक बार फिर भारत के लोगों को धन्यवाद देना चाहूंगा और अनुरोध करूंगा कि अब आप अपने सोशल मीडिया प्रॉपर्टी से मोदी का परिवार हटा दें। डिस्प्ले नाम बदल सकता है लेकिन भारत की प्रगति के लिए प्रयास करने वाले एक परिवार के रूप में हमारा बंधन मजबूत और अटूट है।

## सबका साथ-सबका विकास के मंत्र को लेकर आगे बढ़ेंगे : रीजीजू

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न संबंधी दावों को दुष्प्रचार करार देते हुए मंगलवार को कहा कि देश में कोई असुरक्षित नहीं है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की समावेशी नीतियों के चलते सबका ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बतौर मंत्री कार्यभार संभालने के बाद यह भी कहा कि मोदी सरकार *सबका साथ, सबका विकास* के मंत्र के साथ सबको लेकर आगे बढ़ेगी और विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करेगी। -शेष पृष्ठ दो पर

## चार महीने और भाजपा अध्यक्ष रहेंगे नड्डा मंत्रालय के साथ पार्टी का भी देखेंगे काम

**नई दिल्ली।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को इस साल के अंत तक नया अध्यक्ष मिल जाएगा। हालांकि तब तक जेपी नड्डा अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। भाजपा सूत्रों ने ये जानकारी दी। जेपी नड्डा का कार्यकाल इस महीने के अंत तक समाप्त हो रहा है, लेकिन नए अध्यक्ष की नियुक्ति तक वह मंत्रालय के साथ-साथ पार्टी का काम भी देखते रहेंगे। जेपी नड्डा को मोदी सरकार 3.0 में स्वास्थ्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली है। जेपी नड्डा के अलावा भूपेंद्र यादव, शिवराज सिंह चौहान और धर्मेंद्र प्रधान समेत कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने भी कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली है, जिससे संभावना है कि कोई नया चेहरा भाजपा का नेतृत्व कर सकता है। प्रधानमंत्री मोदी की नई मंत्रिपरिषद में शामिल नहीं किए गए कुछ पूर्व मंत्रियों को भी पार्टी में अहम भूमिका दिए जाने की उम्मीद है। जनवरी 2020 में नड्डा ने अमित शाह की जगह पार्टी अध्यक्ष का पद संभाला था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चार साल से अधिक -शेष पृष्ठ दो पर

### पाकिस्तान में लागू हुआ चीन का डर्टी प्लान

## पूरे देश को जेल बनाने की तैयारी शुरू

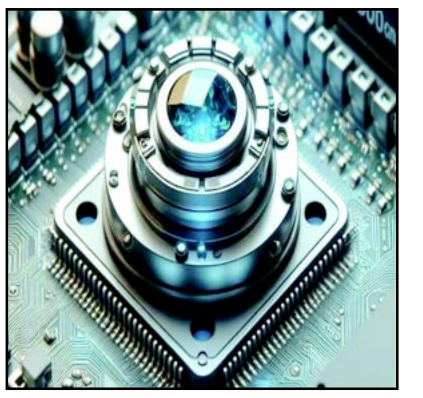

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान सरकार अब चीन के नक्शेकदम पर चलते हुए अपने पूरे देश को जेल में तबदील करने जा रही है। चीन की तरह ही पाकिस्तान में भी इंटरनेट के लिए बड़ा प्लान लागू हो रहा है। जानकारी के अनुसार पाकिस्तान की सरकार भी चीन की तरह लोगों को इंटरनेट गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए नेशनल फायरवाल लगा रही है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि इस फायरवाल की मदद से पाकिस्तान की सरकार का इंटरनेट पर नियंत्रण होगा। इसके बाद लोग इंटरनेट पर वही देख सकेंगे जो सरकार चाहेगी। खास बात है कि इसमें पाकिस्तान की मदद चीन ही कर रहा है। द न्यूज ने अधिकारी के हवाले से बताया कि नेशनल फायरवाल दो मुख्य उद्देश्यों को पूरा करेगा। इसमें प्रचार सामग्री के स्रोतों की पहचान करना और बाद में उन स्रोतों की दृश्यता को अवरुद्ध या सीमित करना शामिल है। इसमें मुख्य ध्यान इस प्रचार के स्रोतों को पता लगाने पर रहेगा ताकि बुराई को जड़ से खत्म किया जा सके। हालांकि, ये बात सभी को पता है कि दुष्प्रचार को रोकना तो सिर्फ बहाना है। असल में पाकिस्तान सरकार इंटरनेट पर कंट्रोल करना चाहती है। रिपोर्ट के मुताबिक यह फायरवाल सिस्टम फेसबुक, यूट्यूब और एक्स जैसे प्रमुख सोशल -शेष पृष्ठ दो पर

## विवि और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में दो बार होंगे एडमिशन : यूजीसी

**नई दिल्ली (हि.स.)।** भारतीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों को अब विदेशी विश्वविद्यालयों की तरह साल में दो बार दाखिला देने की अनुमति होगी। शैक्षणिक सत्र 2024-25 से दो प्रवेश चक्र जुलाई-अगस्त और जनवरी-फरवरी में होंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष जगदीश कुमार ने मंगलवार को कहा कि यूजीसी से मंजूरी मिलने के बाद विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा संस्थान साल में दो बार दाखिला दे -शेष पृष्ठ दो पर

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# 13 साल के लड़के ने दी थी आईजीआई एयरपोर्ट को उड़ाने की धमकी, धरा गया

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** दिल्ली से कनाडा जाने वाली फ्लाइट में बम होने वाला मेल भेजने वाले 13 वर्षीय नाबालिग को पकड़ा है। इस बच्चे को मेरठ से पकड़ा गया है। हैरानी की बात यह है बच्चे ने पूछताछ में बताया कि उसने सिर्फ मजे मजे में ये ईमेल किया था। इसी महीने की चार तारीख को दिल्ली स्थित आईजीआई एयरपोर्ट पर एक फ्लाइट में बम रखे होने की एक कॉल से जब अफरा तफरी मची तो सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ गई। अब इस मामले में एयरपोर्ट पुलिस ने 13 साल के एक नाबालिग को पकड़ा है। इस बच्चे ने मेल के माध्यम से ये जानकारी दी थी कि दिल्ली से टोरंटो जाने वाली फ्लाइट में बम रखा हुआ है। एयरपोर्ट पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली एयरपोर्ट से टोरंटो जाने वाली फ्लाइट में बम की जानकारी चार जून की रात को लगभग 11:30 बजे मिली थी। यह फ्लाइट तड़के 5 जून को टेक ऑफ करने वाली थी लेकिन बम की जानकारी मिलने के बाद एयरपोर्ट पर हड़कंप मच गया और इमरजेंसी घोषित कर विमान की तलाशी ली गई। इसके बाद में यह हॉक्स कॉल घोषित की गई। इधर एरपोर्ट पुलिस ने जांच शुरू की। इस बीच पुलिस टीम की जांच मेरठ तक जा पहुंची। जहां ईमेल के सोर्स का पता लगा और टीम के लगातार प्रयास के बाद यह पता चला कि ईमेल भेजने वाला 13 साल का एक किशोर है। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि फ्लाइट में बम की इस ईमेल का आईडिया उसे मुंबई एयरपोर्ट पर एक फ्लाइट में बम होने की जानकारी होने के बाद आया। उसके बाद उसने इस तरह की ईमेल दिल्ली एयरपोर्ट के फ्लाइट में बम होने के जानकारी के लिए किया। उसे इस बात का अंदेशा था कि पुलिस इस बात की जानकारी नहीं लगा पाएगी कि ईमेल उसने किया है। यह ई-मेल अपने मोबाइल से उसने नकली ईमेल आईडी से किया था और इसके लिए उसने अपनी मां का वाई-फाई लेकर मेल भेजा था। इस मेल को भेजने के बाद उसने फौरन इस ईमेल को डिलीट कर दिया। उसने यह भी बताया कि अगले दिन जब उसने यह खबर न्यूज चैनल और अखबारों में देखी तो उसे बड़ी खुशी हुई लेकिन उसने इस बात की जानकारी अपने माता-पिता को नहीं दी थी।

# माता वैष्णों देवी के बाद अब अमरनाथ यात्रा को लेकर अलर्ट जारी

## *घाटी में 150 से ज्यादा आतंकी एक्टिव*

**नई दिल्ली।** जम्मू के रियासी इलाके में माता वैष्णों देवी जा रहे तीर्थ यात्रियों से भरी बस पर हुए आतंकी हमले के बाद कश्मीर घाटी में भी अलर्ट जारी कर दिया गया है। आतंकवादी अब सुरक्षा बलों की गाड़ियों के बदले आम जनता के वाहनों को निशाना बनाने लगे हैं। बता दें कि 29 जून से शुरू होने वाली अमरनाथ यात्रा को लेकर सख्त एलर्ट जारी किया गया है। विशेष सुरक्षा इंतजाम किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस के महानिदेशक रश्मि रंजन स्वैन ने इस बात की पुष्टि की है कि कश्मीर घाटी में इस समय 70-80 विदेशी आतंकियों समेत 150 से ज्यादा आतंकी सक्रिय हैं। उधमपुर रियासी रेंज के डीआईजी रईस मोहम्मद भट ने कहा कि आतंकी हमले के संबंध में हमें जो सुराग मिले हैं, उसके आधार पर हमने तलाशी शुरू कर दी है। हमारी 11 टीमें सक्रिय हैं। सभी सुरक्षा बल संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। हमने कई लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया है। विश्लेषण और अन्य सुरागों के अनुसार, हमें लगता है कि इस हमले में लश्कर का हाथ है। मौजूदा समय में एक्स पर ऑल आईज ऑन रियासी ट्रेंड कर रहा है।

# नौ साल के बेटे ने नहीं मानी बात तो मां ने ले ली जान

**नई दिल्ली।** त्रिपुरा से एक खौफनाक खबर सामने आ रही है। राज्य में एक महिला ने कथित तौर पर अपने नौ वर्षीय बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी है। महिला ने बेटे को इसलिए मौत की नींद सुला दी क्योंकि वह उसकी बात नहीं मान रहा था। महिला अपने बेटे की *अवज्ञाकारी* व्यवहार से निराश थी और उसे संभाल नहीं पा रही थी। इसलिए उसने यह कदम उठाया यह बात उसने पुलिस को बताया। यह दुखद घटना सोमवार शाम को अगरतला के जॉयनगर में घटित हुआ। सुप्रभा बाल नाम की महिला ने अपराध कबूल कर लिया है और जब पुलिस पहुंची तो वह अपने बेटे के शव के पास बैठी हुई दिखाई दी। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उस पर आरोप लगाए गए हैं। निर्माण स्थल पर दिहाड़ी मजदूर के तौर पर काम करने वाली सुप्रभा बल ने बताया कि उसका पति लापता है और उसकी बेटी की शादी हो चुकी है, इसलिए उसे अपने बेटे को अकेले ही पालना पड़ रहा है। महिला ने पुलिस को यह भी बताया कि वह अपने बेटे राजदीप के लगातार दुर्व्यवहार से परेशान थी और उसने पैसे चुराए और अपनी पढ़ाई को नजरअंदाज कर दिया। उसने कबूल किया कि उसकी हरकतों के कारण मैं न तो काम पर जा सकती थी और न ही चैन से रह सकती थी। मैंने उसे मार डाला और इसके लिए जेल जाने को भी तैयार हूं।

# प्रतापराव गणपतराव जाधव ने संभाला आयुष मंत्रालय का कार्यभार

**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रतापराव गणपतराव जाधव ने मंगलवार को आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का कार्यभार संभाल लिया। इसके साथ उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा, आयुष सचिव वैद्य राजेश कोटेचा, अतिरिक्त सचिव (स्वास्थ्य) रोली सिंह सहित मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। मंत्रालय में कार्यभार संभालने से पहले प्रतापराव जाधव ने अपने आवास पर पौधरोपण किया। कार्यभार संभालने के बाद अंगदान की शपथ भी ली। उल्लेखनीय है कि प्रतापराव जाधव ने महाराष्ट्र विधान सभा के तीन बार सदस्य और खेल, युवा कल्याण और सिंचाई राज्य मंत्री के रूप में विभिन्न क्षमताओं में महाराष्ट्र के लोगों का प्रतिनिधित्व किया है। वह 2009, 2014, 2019 और फिर 2024 में बुलढाणा निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए हैं। वे 1997 से 1999 तक महाराष्ट्र सरकार में खेल, युवा कल्याण और सिंचाई राज्य मंत्री भी रहे हैं। लोकसभा, उन्होंने ग्रामीण विकास और पंचायती राज पर स्थायी समिति के अध्यक्ष और संचार और सूचना प्रौद्योगिकी पर स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है।

## दो पशु तस्कर गिरफ्तार

**धुबड़ी ( हिंस )।** धुबड़ी जिले के तामरहाट के कामानडांगा इलाके में पुलिस की एक टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि पशु तस्करी मामले में शामिल उस्मान गनी और कपिल मंडल को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपितों के पास से तीन पशुओं को बरामद किया गया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी काफी लंबे समय से अवैध पशु के कारोबार में शामिल बताए गए है। पुलिस इस संबंध में पशु अधिनियम के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# विमान क्रैश में मलावी के उपराष्ट्रपति चिलिमा सहित नौ लोगों की मौत

**मलावी।** मलावी के उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा की विमान क्रैश में मृत्यु हो गई। 51 वर्षीय चिलिमा और नौ अन्य को ले जा रहा सैन्य विमान सोमवार को लापता हो गया था। मलावी के राष्ट्रपति लाजरस चकवेरा ने मंगलवार को कहा कि उपराष्ट्रपति सौलोस चिलिमा और नौ अन्य को ले जा रहा विमान जंगल में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें कोई भी जीवित नहीं बचा। उन्होंने टेलीविजन पर दिए गए संबोधन में कहा कि विमान मिल गया है और मुझे आप सभी को यह बताते हुए बहुत दुख और खेद है कि यह एक भयानक त्रासदी बन गई है। 51 वर्षीय चिलिमा और नौ अन्य को ले जा रहा सैन्य विमान सोमवार को लापता हो गया, जब यह खराब मौसम के कारण उत्तरी शहर म्जुजू में उतरने में विफल रहा और उसे राजधानी लिलोंग्वे लौटने के लिए कहा गया। मंगलवार को म्जुजू के दक्षिण में एक जंगल पर अभियान केंद्रित था।

## ड्रग्स समेत एक तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी की वशिष्ठ पुलिस ने ड्रग्स समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के कोईनाधारा इलाके में एक अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान ड्रग्स तस्कर बिष्णु राय (30, कोकराझाड़) को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार तस्कर के पास से 26 प्लास्टिक के छोटी-छोटी सीसी भर कर रखे गए 35 ग्राम ड्रग्स बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने ड्रग्स के अलावा नगद 2110 रुपए और एक मोबाइल फोन जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

# स्वामी विवेकानंद व मालवीयजी के सपनों की संस्कृति को आगे बढ़ा रहा संघ

**सीतापुर ( हिंस )।** जनपद के आनंदी देवी सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे 15 दिवसीय संघ शिक्षा वर्ग सम्पन्न हो गया। अवध प्रांत के 26 जनपदों (सरकारी जिला 13) से आए स्वयंसेवकों ने पिछले 15 दिनों तक वर्ग में ली शिक्षाओं का प्रदर्शन किया, तो विशाल मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। दंड प्रहार, नियुद्ध, शारीरिक व्यायाम का सामूहिक प्रदर्शन हुआ। घोष की धुन पर स्वयंसेवकों की कदमताल ने माहौल को भक्ति व राष्ट्रमय बना दिया। संघ गुरू भगवाध्वज के सामने सभी अतिथियों ने प्रणाम कर समापन समारोह का शुभारंभ किया। मुख्य वक्ता के तौर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल ने कहा कि भारतीय संस्कृति पर हावी होती पाश्चात्य सभ्यता को उसकी असली जगह पहुंचाने का काम संघ का स्वयंसेवक करता है। आज के युग में जब सुख सुविधाओं के लिए लोग अपनी मर्यादा को भी भूलते जा रहे हैं, ऐसे वक्त में संघ साधना के लिए निकले सैकड़ों स्वयंसेवकों ने पिछले पंद्रह दिनों तक कठिन तपस्या की है। एसी कमरों में सोने वाले स्वयं सेवक ज्येष्ठ माह की तपती धूप में राष्ट्र साधना के लिए तपे हैं। विद्यालय के बरामदे और मैदान में रात्रि गुजारने वाले संघ स्वयंसेवकों ने धैर्य, संयम, अनुशासन और संस्कार का वह पाठ सीखा है जिसे चाहते हुए भी वह परिवार के साथ नहीं सीख सकते थे। कठिन तपस्या कर देश सेवा को समर्पित होने जा रहे यह स्वयंसेवक डॉ. केशव राव बलिराम हेडगेवार के सपनों को साकार करेंगे। क्षेत्र प्रचारक अनिल ने कहा कि लगभग 1 लाख 35 हजार लोग प्रत्येक वर्ष संघ का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। विपरीत परिस्थितियों में संघ के वर्ग लगते हैं, लेकिन संघ ने कठिन साधना कर अपने उद्देश्यों से कभी समझौता नहीं किया। पिछले 98 वर्षों से संघ दैनिक शाखा पर दिये जाने वाले संस्कारों व देश भक्ति का भाव जगाने का काम कर रहा है।

## सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

**मोरीगांव ( हिंस )।** मोरीगांव जिले के मायंग के कुरानीबाड़ी इलाके में हुए एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती रात कुरानीबाड़ी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में बाइक चालक इन्नास अली (32) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, अन्य एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। घायल और मारे गए दोनों मायंग के खलाभुगा के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

# पूसीरे को माल अनलोडिंग में 1.86 प्रतिशत की वृद्धि

**गुवाहाटी ( हिंस )।** माल अनलोडिंग में पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) स्थायी रूप से निरंतर वृद्धि दर्ज कर रही है। चालू वर्ष के मई माह के दौरान पूसीरे द्वारा मालगाड़ी के 1152 रेकों की अनलोडिंग की गई। यह बीते वर्ष की समान अवधि की तुलना में 1.86 प्रतिशत अधिक है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने आज बताया है कि मई माह के दौरान, असम में मालगाड़ियों के कुल 645 रेक अनलोड किए गए, जिनमें से 331 आवश्यक वस्तुओं से लोड थे। उक्त महीने के दौरान त्रिपुरा में 54 रेक, नगालैंड में 20 रेक, अरुणाचल प्रदेश में 9 रेक, मणिपुर में 2 रेक और मिजोरम में 8 रेक अनलोड किए गए। इसके अलावा, उक्त महीने में पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन पश्चिम बंगाल में 248 और बिहार में 166 फ्रेट रेकों को भी अनलोड किया गया। आवश्यक और अन्य वस्तुओं का नियमित रूप से परिवहन न केवल आम लोगों की जरूरी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, बल्कि सभी क्षेत्रों की स्थानीय आर्थिक गतिविधि को चालू रखने के लिए भी किया जा रहा है।

APOLLO HOSPITALS CHENNAI
COLORECTAL CLINIC
DR. VENKATESH MUNIKRISHNAN MRC(Ed),FRCS(Colorectal),CCT(UK)
Will be available only for consultation at **Guwahati**
On **15th June'2024**
Patients Suffering from Piles, Constipation, Colorectal Cancer, Anal Lump, Rectal Bleeding, Anal Pain & Anal Fistula can register their names at:
APOLLO HOSPITALS INFORMATION CENTER
Bora Commercial Complex, Housing Bus Stop, Bashisthapur By Lane No-4 Beltola, Survey Guwahati
Contact : 03612223663/9678769107/8134095156

# *पृष्ठ एक का शेष*

## *सतह पर आया...*

सरकार अब सहयोगी दलों के सहारे है। उसे एनडीए के विभिन्न सहयोगी दलों का साथ लेना पड़ रहा है। इससे उसकी निर्भरता बढ़ गई है। इस साल में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव होने हैं, तो अगले वर्ष दिल्ली-बिहार के चुनावों में भाजपा नेतृत्व की परीक्षा होनी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ-साथ कम से कम चार-पांच राज्यों में अध्यक्षों का बदलाव भी होना है। यदि ऐसे समय में दोनों संगठनों में आपसी तालमेल बेहतर नहीं रहता है तो भाजपा को इसका नुकसान उठाना पड़ सकता है।

## *मोहन चरण माझी...*

भारतीय जनता पार्टी ने कहा है कि मोहन मांझी ओडिशा के मुख्यमंत्री होंगे। मोहन मांझी क्योंझर से विधायक हैं। राजनाथ सिंह ने कहा है कि यह महत्वपूर्ण घोषणा भाजपा विधायक दल की बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार की गई है। इसी के साथ ओडिशा के इतिहास में एक नया पन्ना जुड़ गया है। इसी के साथ राज्य में दो उपमुख्यमंत्री पाटनागढ़ के विधायक कनकवर्धन सिंह देव और नीमापडा से विधायक प्रभाति प्रविदा को उप मुख्यमंत्री के लिए चुना गया है। कनक वर्धन सिंहदेव 1995 से 2014 तक, लगातार पाटनागढ़ विधानसभा सीट से पांच बार विधायक रहे। 2019 के चुनाव में वह बीजद की सरोज मेहर से हार गए थे। केवी सिंहदेव ने 2024 के चुनाव में फिर से जीत हासिल की है। केवी सिंहदेव ओडिशा में बीजद-भाजपा सरकार में उद्योग और शहरी विकास जैसे महत्वपूर्ण विभागों में मंत्री थे। उधर, प्रभाती परिड़ा पहली बार नीमापड़ा सीट से चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंची थी जिन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव के साथ विजयी विधायकों ने भाग लिया। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों और सांसदों से चर्चा की। बैठक में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, जुएल ओराम, अश्विनी वैष्णव, सासंद संगीता सिंह देव, अपराजिता षड़ंगी, बैजयंत पंडा, रुद्र पाणी, प्रदीप पाणिग्रही, विधायक सुरेश पुजारी, कनकवर्धन सिंह देव, जयनारायण मिश्रा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मनमोहन सामल मौजूद थे। ओडिशा में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान 13 मई से चार चरणों (13, 20 मई, 25 और 1 जून) में हुआ था। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 147 सदस्यीय ओडिशा विधानसभा में अच्छा प्रदर्शन किया। भाजपा ने 78 सीटें जीतीं और सरकार बनाई। बीजद को 51 और कांग्रेस को 14 सीटें मिली हैं।

## *रकीबुल हुसैन ने ...*

के नेता देवव्रत सैकिया और मुख्य सचेतक वाजिद अली चौधरी, भरत चंद्र नारा, जाकिर हुसैन सिकदर और नंदिता डेका सहित कई वरिष्ठ नेता और विधायक उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए हुसैन ने कहा कि विधानसभा से निकलकर लोकसभा में प्रवेश करते समय उनके लिए मिश्रित भावनाएं थीं। उन्होंने कहा कि आज यह गर्व के साथ-साथ दुख का भी क्षण है। उन्होंने धुबड़ी के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया, यह सीट उन्होंने 10.12 लाख वोटों से जीती, जो अब तक की सबसे बड़ी जीत थी क्योंकि उन्होंने एआईयूडीएफ के मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल को हराया था। कांग्रेस नेता ने सामगुरी विधानसभा क्षेत्र के लोगों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मैं 2001 से सामगुरी से जीतता आ रहा हूं, चाहे लहर कांग्रेस के पक्ष में रही हो या नहीं। मैं लोगों का मुझ पर लगातार भरोसा दिखाने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। हुसैन ने कहा कि हालांकि वह नई दिल्ली के राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं, लेकिन वह राज्य की राजनीति में वापस आएंगे। उन्होंने कहा कि वह शुरू में धुबड़ी से चुनाव लड़ने के लिए अनिच्छुक थे, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने उन्हें बताया कि उनकी उम्मीदवारी *कुछ ताकतों* को हराने के लिए महत्वपूर्ण है। बाद में पत्रकारों से बात करते हुए हुसैन ने कहा कि धुबड़ी से उनके चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी ने लिया था। उन्होंने कहा कि मैंने धुबड़ी को नहीं चुना। पार्टी ने अपना सर्वेक्षण कराया और मुझसे कहा कि अगर मैं वहां से चुनाव लड़ूंगा तो हम जीत जाएंगे और यही हुआ। कांग्रेस द्वारा उनके बेटे को सामगुरी विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मैदान में उतारने की अटकलों पर हुसैन ने कहा कि मेरा बेटा एनएसयूआई में रहा है। वह पार्टी से सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। अगर उसे टिकट मिलता है तो यह पार्टी नेतृत्व का फैसला होगा। कांग्रेस ने इस पूर्वोत्तर राज्य से लोकसभा में तीन सीटों पर अपनी जीत बरकरार रखी, जबकि भाजपा ने नौ सीटें जीतीं, तथा उसके सहयोगी अगप और यूपीपीएल ने एक-एक सीट जीती।

## *सीएम ने गुवाहाटी ...*

संस्थान देश में प्रबंधन पेशेवरों के समूह को समृद्ध करेगा। इस निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ कामरूप की जिला आयुक्त कीर्ति जल्ली समेत कई अधिकारी मौजूद रहे। उधर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज असम सरकार के महत्वाकांक्षी *मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता मिशन* की प्रगति की समीक्षा के लिए जनता भवन में एक बैठक की, जिसका उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक सशक्तिकरण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाना है। मुख्यमंत्री ने प्राप्त आवेदनों की संख्या, अभियान की प्रगति की निगरानी की सुविधा के लिए पोर्टल तैयार करने, पूर्ण आवेदनों को पोर्टल में शामिल करने आदि की प्रगति पर विस्तृत जानकारी ली। इस अभियान के क्रियान्वयन में विकास क्षेत्र स्तर से कोई त्रुटि न हो इसके लिए भी उन्होंने आवश्यक निर्देश दिए।

## *गुवाहाटी में बड़ा ...*

लिए गए अन्य लोगों में रमजान अली शामिल हैं। इसके अलावा मनोज बासफोर, अजीत बासफोर और बिराज दास को हिरासत में लिया गया। शहर की पुलिस ने अभियान के दौरान लगभग 200 नकली ऋण फॉर्म जब्त किए। सोमवार को कार्रवाई तेज हो गई। रंगिया से दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया। माना जाता है कि वे जाली टिकट और दस्तावेज बनाने में शामिल थे। इस दु:साहसिक धोखाधड़ी के पीछे के नेटवर्क को ध्वस्त किया जा रहा है। लताशिल पुलिस ने अपनी त्वरित और निर्णायक कार्रवाई से भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के साथ-साथ न्याय सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया है। शहर की पुलिस ने इसमें शामिल सभी लोगों को जवाबदेह बनाने का दृढ़ संकल्प लिया है। इस व्यापक रेलवे ऋण घोटाले के पीड़ितों के लिए न्याय सुनिश्चित करना उनका फोकस है। यह ऐतिहासिक अभियान न केवल वित्तीय और सरकारी प्रणालियों के भीतर कमजोरियों को उजागर करता है। इसके अलावा यह परिष्कृत आपराधिक गतिविधियों से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन के अथक प्रयासों को दर्शाता है। इस घोटाले का पर्दाफाश सतर्क निगरानी की आवश्यकता की एक स्पष्ट याद दिलाता है।

## *कैबिनेट मंत्री सोनोवाल...*

कार्यालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत की। सोनोवाल ने सभी से देश के बंदरगाहों, शिपिंग और जलमार्ग क्षेत्रों सहित समुद्री क्षेत्र के विकास की अजेय यात्रा को नया आकार देने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आग्रह किया। हमें एक विकसित, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण की दिशा में देश को समर्पित सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के गतिशील नेतृत्व में, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय लगातार समुद्री को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहा है। जैसे-जैसे हम विकसित भारत के दृढ़ लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, हम *राज्य सर्वोपरि* की भावना के साथ राष्ट्र निर्माण के महान उद्देश्य के लिए खुद को प्रतिबद्ध करना जारी रखेंगे। सोनोवाल ने राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंत्रालय के अगले 100 दिनों के कार्यक्रम की भी समीक्षा की और सभी से एक विशिष्ट रोडमैप के साथ नए उत्साह के साथ काम करने का आग्रह किया।

## *सबका साथ-सबका...*

यह पूछे जाने पर कि वह देश के भीतर और बाहर उन लोगों से क्या कहेंगे, जो अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में बात करते हैं, रीजीजू ने कहा कि हम दुष्प्रचार से परेशान नहीं हैं। हम हर भारतीय के कल्याण के बारे में चिंतित हैं। जब प्रधानमंत्री *सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास* कहते हैं तो इसका मतलब है सबको एक साथ रहना है, हर दृष्टि से एक होना है। उनका कहना था कि जब प्रधानमंत्री कोई योजना शुरू करते हैं, तो यह जाति, पंथ और धर्म के आधार पर किसी के बीच भेदभाव नहीं करती है। इसलिए *सबका साथ, सबका विकास* मंत्र है। इस देश में कोई भी असुरक्षित नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी के समावेशी दृष्टिकोण और नीतियों के चलते हर किसी का खयाल रखा जाता है। रीजीजू के पास संसदीय कार्य मंत्रालय की जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष और सत्तापक्ष को मिलकर संसद को सुचारू रूप से चलाना है।

## *चार महीने और ...*

समय तक पार्टी का नेतृत्व करने वाले जेपी नड्डा को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्रालय का प्रभार मनसुख मांडविया के पास था। वर्ष 2019 में भाजपा का कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने से पहले मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में भी नड्डा के पास यही विभाग था। अमित शाह के केंद्रीय गृह मंत्री बनने के बाद नड्डा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए। नड्डा का अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल जनवरी में ही समाप्त हो गया था, लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर उन्हें छह महीने का सेवा विस्तार दिया गया था। अब उनका कार्यकाल जून में समाप्त होगा। 63 वर्षीय नड्डा हिमाचल प्रदेश के एक मात्र नेता हैं जिन्हें मौजूदा सरकार में जगह मिली है। नड्डा ने मोदी के पहले कार्यकाल में नौ नवंबर, 2014 से लेकर 30 मई, 2019 तक स्वास्थ्य मंत्री के रूप में काम किया था। उन्होंने भाजपा में विभिन्न प्रमुख पदों पर कार्य किया। उन्होंने बिहार से लेकर उत्तर प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र और पंजाब तक कई राज्यों में पार्टी के चुनाव अभियान का नेतृत्व किया। वह अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश में भाजपा की सरकार में मंत्री भी रहे।

## *पूरे देश को ...*

मीडिया प्लेटफॉर्म पर लागू किया जाएगा। इसके साथ ही सरकार वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) के दुरुपयोग को रोकने की भी तैयारी कर रही है। इसके तहत नागरिकों के लिए संभवत: पाकिस्तान दूरसंचार प्राधिकरण को वीपीएन की जानकारी देनी होगी। पाकिस्तान सराकर ने पहले ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को ब्लॉक कर दिया है, जिसके चलते कई यूजर वीपीएन के माध्यम से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट द न्यूज ने एक सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया है कि इस फायरवाल को खरीदा जा चुका है और इसे वर्तमान में स्थापित करने की प्रक्रिया की जा रही है। इसके पहले पाकिस्तान ने कनाडा की नेटस्वीपर की मदद से वेबसाइट और सोशल मीडिया एप को ब्लॉक करने की तकनीक का इस्तेमाल किया है, जिस पर काफी विवाद हो चुका है। इस नए फायरवाल का इस्तेमाल विभिन्न इंटरनेट प्रोटोकॉल पतों से आने वाली सूचनाओं की जांच करने लिए किया जाएगा।

## *विवि और उच्च ...*

सकेंगे। उन्होंने कहा कि छात्र अब साल में दो बार आवेदन कर सकते हैं। ऐसा होने से बोर्ड के नतीजों की घोषणा में देरी सहित अन्य कारणों से जुलाई-अगस्त सत्र छूट जाने पर छात्रों का लंबा इंतजार नहीं करना होगा। ऐसे छात्र जनवरी-फरवरी सत्र में दाखिला ले सकेंगे। इससे छात्रों को अपने इच्छित कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए अधिक अवसर मिलेंगे।

## *24 से शुरू होगा ...*

दौरान, भाजपा के एजेंडे में एक मुख्य कार्य नए लोकसभा अध्यक्ष के लिए एनडीए की पसंद का चयन करना होगा। लोकसभा अध्यक्ष का पद लोगों के दिमाग में फिर से आ गया है क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की दोनों पार्टियाँ, टीडीपी और जेडी (यू), इस कुर्सी पर नजर गड़ाए हुए हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में, भाजपा केवल 240 सीटें ही जीत पाई और 272 के आंकड़े से चूक गई। इससे भगवा खेमे में विद्रोह की आशंका पैदा हो गई है, जो पिछले कुछ सालों में पार्टियों को तोड़ने और सरकारें गिराने में अहम भूमिका निभाता रहा है। ऐसे में दलबदल विरोधी कानून सबसे आगे आता है और इस तरह सदन का अध्यक्ष एक महत्वपूर्ण पद बन जाता है।

## *लोस अध्यक्ष पद को ...*

रामाराव की बेटी हैं। हालांकि, तेलुगु देशम पार्टी ने स्पीकर पद के लिए श्रीकाकुलम से अपने उम्मीदवार के राममोहन नायडू का नाम प्रस्तावित किया है। कहा जाता है कि राम मोहन हिंदी और अंग्रेजी में पारंगत हैं, देखते हैं दोनों पार्टियां मिलकर क्या फैसला लेती हैं। राममोहन नायडू ने रविवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के रूप में शपथ ली और सोमवार को पदभार ग्रहण किया।

## कचुवा में गांजा जब्त महिला समेत 3 गिरफ्तार

**नगांव ( हिंस )।** कचुवा में पुलिस की छापेमारी में भारी मात्रा में गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने कचुवा के सोनारुगुड़ी गांव की सुलेमा खातून के घर पर छापा मारकर यह गांजा जब्त किया। प्रभारी पुलिस अधिकारी अच्युत कृष्ण फूकन और एसआई लक्ष्य ज्योति गोगोई के नेतृत्व में सुलेमा खातून सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। अन्य दो गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कचुवा थाना के सतलुंगा के शाहिदुल हक और नगांव सदर के सियालमारी के इमरान हुसैन के रूप में हुई है। पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है।

## मंत्री अशोक सिंघल ने राज्य नगर पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की

**दिसपुर।** आवास और शहरी मामलों और सिंचाई मंत्री अशोक सिंघल ने आज असम प्रशासनिक अधिकारी कॉलेज, खानापारा में असम की नगर पालिकाओं और नगर निगमों में कार्यकारी अधिकारियों के रूप में कार्यरत असम शहरी प्रशासनिक सेवा के नव नियुक्त अधिकारियों के साथ एक विशेष बैठक की। वे काम की समीक्षा भी करते हैं। हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव से पहले राज्य के विभिन्न नगर निकायों में कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्त किए गए असम शहरी प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के पहले बैच को संबोधित करते हुए, सिंघल ने कहा कि वर्तमान सरकार का शहरी नागरिकों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने का एक स्पष्ट लक्ष्य है। असम शहरी प्रशासनिक सेवा अधिकारियों के लिए मंत्री ने कहा कि नवनियुक्त अधिकारियों को नगर पालिकाओं

के निर्वाचित प्रतिनिधियों, स्थानीय विधायकों और लोगों के सहयोग से शहरी क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए *परिवर्तन के प्रतिनिधि* के रूप में अथक प्रयास करना चाहिए। मंत्री ने कहा कि युवा कार्यकारी अधिकारी अपने काम के माध्यम से लोगों की सेवा के लिए पूरी तरह से समर्पित होंगे और विकसित असम के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के संकल्प को लागू करने का प्रयास करेंगे, सिंघल ने आशा व्यक्त की। मंत्री ने कहा कि असम शहरी प्रशासनिक सेवा के अधिकारी नागरिकों की सीधी सेवा के लिए पूरी तरह से समर्पित सैनिक हैं और राज्य के शहरी क्षेत्रों में अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है। उन्होंने कहा कि हमने अभी तक स्वच्छ भारत मिशन का वांछित लक्ष्य हासिल नहीं किया है। कार्यकारी अधिकारियों को शहर के हर घर के दरवाजे से कचरा इकट्ठा करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और हमारे शहर को पूरी तरह से कचरा मुक्त बनाने के लिए इसका वैज्ञानिक प्रबंधन सुनिश्चित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को किसी भी कठिन परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए बैठक में बंगागांव, नारायणपुर, नागांव, उत्तरी गुवाहाटी और शिलांग नगर पालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि यदि एक नगर पालिका में की गई पहल सफल होती है, तो अधिकारियों को इसे अन्य नगर पालिकाओं में लागू करने के लिए आगे आना चाहिए। मंत्री सिंघल ने नगर प्रशासन निदेशालय को आज की बैठक की तर्ज पर प्रत्येक दो माह में नगर निकायों के कार्यपालक पदाधिकारियों के साथ बैठक करने तथा विशिष्ट मुद्दों का चयन कर ऐसी बैठकों में विस्तृत समीक्षा की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। बैठक में आवास और शहरी मामलों के विभाग की आयुक्त-सचिव कबिता पद्मनाभन और नगरपालिका प्रशासन के निदेशक टंकेश्वर दास के साथ-साथ विभाग के अन्य शीर्ष अधिकारी उपस्थित थे।

## रंगिया : सड़क हादसे में एक महिला की मौत

**रंगिया ( विभास )।** रंगिया नगर के समीप केंदुकोना के एनएच-27 पर एक भीषण सड़क हादसे में एक स्थानीय महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक महिला की पहचान केंदुकोना बामुन गांव की रानी बेगम के रूप में की गई। घटना के विषय में प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला के सड़क पार करते समय यह हादसा हुआ। रंगिया की और से तेज रफ्तार से गुवाहाटी की तरफ जा रही ए एस 01 एफ ए 4058 नंबर की पल्सर बाइक ने महिला को टक्कर मार दी और महिला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। बाइक सवार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

## सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

**गोलाघाट ( हिंस )।** गोलाघाट जिले के देरगांव इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि अन्य एक व्यक्ति को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती देर रात बालीजान इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर बोलेरो पिकअप (एएस-31एसी-5022) और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में बोलेरो पिकअप के सह चालक बाबूल अली की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि चालक नूर अली को गंभीर अवस्था में इलाज के लिए देरगांव सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल और सड़क दुर्घटना में मारे गए दोनों नगांव जिले के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## स्टार्ट-अप से 4, 900 नौकरियां और 40 करोड़ की आय : मुख्यमंत्री

**गुवाहाटी ( हिंस )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि स्टार्टअप से बीते तीन वर्षों में असम को 40 करोड़ रुपए की आय हुई तथा इसके जरिए 4, 900 लोगों को नौकरियां मिली। मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने खुलासा किया कि इस अवधि में कुल 489 स्टार्टअप को राज्य सरकार की मदद से सफलता पूर्वक संचालित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार की ओर से 489 स्टार्टअप को हर संभव मदद किया गया। जबकि, 74 स्टार्टअप को सात करोड़ रुपए का अनुदान दिया गया। इसके अलावा 100 करोड़ रुपए की बाहरी फंडिंग की सुविधा दी गई। मुख्यमंत्री ने नए उद्यमियों की सराहना करते हुए कहा कि सरकार का हर संभव सहयोग इन्हें जारी रहेगा।

## सड़क दुर्घटना में दो बाइक चालक घायल

**तामुलपुर ( हिंस )।** तामुलपुर जिला शहर में दो बाइक के बीच आमने-सामने की टक्कर में दो बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जिला सदर के मटंगापार पार्क के समीप पल्सर बाइक (एएस-14बी-2317) और स्प्लेंडर बाइक (एएस25-5209) के बीच में आमने-सामने की टक्कर हो गयी। हादसे में दोनों बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने करण राजवंशी (28) और धारणी ब्रह्म (58) को इलाज के लिए तामुलपुर सदर चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने दोनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सा के लिए गुवाहाटी भेज दिया। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## रंगिया में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

**रंगिया ( विभास )।** बंधन बैंक, रंगिया शाखा के सौजन्य से और रंगिया नवसुरुज पुथिभराल के सहयोग से आज एक मुफत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। नवसुरुज पुथिभराल प्रांगण में आयोजित इस शिविर में लगभग 100 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मौके पर रंगिया बंधन बैंक के शाखा प्रबंधक मनोज कुमार डेका, नवसुरुज पुथीभराल के महासचिव अपूर्व तालुकदार सहित सभी सदस्य और बहुत से लोग उपस्थित रहे। शिविर में रंगिया स्वस्ति अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सैय्यद अबू नासिर और उनके सहयोगियों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा सेवाए प्रदान की गई। बताया जा रहा है

कि इस शिविर में स्थानीय लोगों के अलावा विभिन्न स्थानों के बहुत से लोगों को चिकित्सा सेवा का लाभ प्राप्त हुआ।

## असम की नाबालिक लड़की केरल से बरामद

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी की चांदमारी पुलिस ने नाबालिक लड़की को केरल पुलिस की मदद से बरामद किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि अप्रैल महीने में एक नाबालिक बच्ची की मां द्वारा चांदमारी थाने में प्राथमिक की दर्ज कराई गई थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर चांदमारी पुलिस ने केरल पुलिस की मदद से केरल के खुटीपाम इलाके से नाबालिक लड़की को बरामद कर लिया। वहीं इस मामले में एक नाबालिक लड़के को भी बरामद किया गया। जिसे जुवेनाइल होम भेज दिया गया है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद नाबालिक बच्ची को उसके परिवार वाले को सौंप दिया जाएगा।

## रामदेव बाबा का जम्मा जागरण नगांव में रविवार को

**नगांव ( निसं )।** रुणीचे के धनिया के नाम से प्रसिद्ध लोकदेवता बाबा रामदेव जी का जम्मा जागरण का कार्यक्रम आगामी रविवार को नगांव में सेठ मेघराज अग्रवाल स्मृति भवन में आयोजित किया जा रहा है। नगांव की अग्रणी धार्मिक संस्थाओ में से एक श्री श्याम परिवार, नगांव के तत्वावधान में व भजनका परिवार के सहयोग से होने वाले इस जम्मा जागरण में भव्य दरबार बैठाया जाएगा व फुलो से श्रृंगार किया जाएगा। पूजा अर्चना के अतिरिक्त ज्योत प्रज्ज्वलित की जाएगी जो अखंड प्रज्ज्वलित रहेगी। भंडारा प्रसाद वितरण के अलावा चमत्कारी तांती (धागा) का वितरण किया जाएगा। भजनका परिवार के राहुल भजनका ने बताया कि कार्यक्रम सांय 4.15 बजे आरंभ होकर मध्य रात्रि तक संपन्न होगा। जम्मा जागरण में लगभग नौ-दस घंटे का समय लगता है जिसमे बाबा रामदेव जी के जन्म से विवाह तक के वृतांत और बाबा के जन कल्याण के कार्य सहित उनके पर्चे की कथा संगीतमय अंदाज में सुनाई जाती है। इस विशेष कार्यक्रम हेतु विख्यात जम्मा सम्राट के नाम

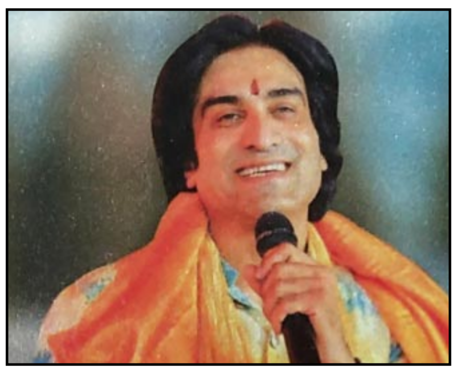

से प्रसिद्ध हैदराबाद के सुशील गोपाल बजाज को आमंत्रित किया गया है। आयोजन समिति के अन्य सदस्य महेश भजनका ने सभी जम्मा जागरण भक्तों से निवेदन किया है कि वे अपने ईष्ट मित्रो सहित पधारकर बाबा रामदेव जी की दिव्य ज्योत में श्रद्धा की हाजरी लगाएं और एकाग्र मन से जम्मा जागरण का रसपान करे ।

## सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौत

**मोरीगांव ( हिंस )।** मोरीगांव जिले के मायंग के कुरानीबाड़ी इलाके में हुए एक सड़क दुर्घटना में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि बीती रात कुरानीबाड़ी इलाके में हुई सड़क दुर्घटना में बाइक चालक इन्नास अली (32) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, अन्य एक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। घायल और मारे गए दोनों मायंग के खलाभुगा के रहने वाले बताए गए हैं। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

## सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष ने महिला शाखा का दौरा कर उनके कार्यक्रमों पर संतोष व्यक्त किया

**गुवाहाटी ( विभास )।** मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी महिला शाखा की कार्यकारिणी की सभा शाखा अध्यक्ष संतोष शर्मा की अध्यक्षता में सम्मेलन गुवाहाटी शाखा के सभागार में संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न विषयों के अलावा भावी कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। शाखा सचिव मंजू भंसाली ने शाखा के प्रतिवेदन को प्रस्तुत किया जिसकी सभी सदस्योंओं ने सराहना की। भावी कार्यक्रमों की चर्चा के दौरान सावन मास के उपलक्ष्य में नानी बाई को मायरा का आयोजन, शाखा के प्रथम वर्ष पूर्ति के अवसर पर स्मारिका का विमोचन, आगामी साधारण सभा आयोजन पर चर्चा, पितृपक्ष में अयोध्या धाम का भ्रमण पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। इस अवसर पर सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने महिला शाखा का दौरा कर उनके कार्यक्रमो की तालिका का अवलोकन कर संतोष प्रकट किया। इस अवसर पर उनके साथ प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया, उपाध्यक्ष मुख्यालय रमेश चांडक, मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, सह मंत्री मनोज कला और पंकज पोद्दार उपस्थित थे। प्रांतीय पदाधिकारीयो का तुलसी का पौधा, आयुर्वेदिक पुस्तक और भगवान गणेश का चित्र देकर उनका सम्मान किया। प्रांतीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन

में प्री वेडिंग शूट का विरोध करते हुए इसे अपने घर तक ही सीमित रखने का आह्वान किया ।इसके अलावा बच्चों के लिए भी ज्यादा से ज्यादा कार्यक्रम करने पर जोर दिया। मारवाड़ी संस्कृति के परिधान व श्रृंगार को भी बढ़ावा देने का अनुरोध किया गया। दिन में फेरों को प्रोत्साहन दिए जाने की बात भी प्रांतीय अध्यक्ष ने कहीं। प्रांतीय अध्यक्ष ने मारवाडी व असमिया भाषा व संस्कृति के कार्यक्रम भी आयोजित करने का सुझाव दिया। इस सभा में पुष्पा सोनी को कार्यकारिणी सदस्या के रूप में मनोनीत कर स्मारिका की संपादिका नियुक्त किया। प्रांतीय अध्यक्ष ने सदस्योंओ के कई प्रश्नों का संतोष जनक उत्तर देकर महिलाओं की जिज्ञासाओं को शांत किया। सभा में शाखा सलाहकार सरला काबरा, वंदना सोमानी, इंदिरा जिंदल, मंजू पाटनी, शारदा केडिया के अलावा सह सचिव शोभना लड्ढा व सभी कार्यकारिणी सदस्याये उपस्थित थी। अंतिम कार्यक्रम में महिलाओं के बीच में कई मनोरंजन गेम खिलाए गए। शाखा सचिव मंजू भंसाली के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यकारिणी सभा का समापन हुआ। इस आशय की जानकारी शाखा जनसंपर्क सचिव संतोष काबरा ने प्रेस विज्ञप्ति के द्वारा दी।


SUPREME COURT OF INDIA

Special Lok Adalat 2024

29.07.2024 - 03.08.2024

The Supreme Court of India is organising a Special Lok Adalat week from 29 July to 3 August 2024. Advocates-on-record, Counsel and parties are requested to avail of the benefit of this mega settlement drive. Parties can appear both physically or virtually on the online platform to arrive at final settlements of their disputes.

BENEFITS OF SPECIAL LOK ADALAT

- Swift compromise and settlement of disputes
- Final and executable awards
- Cost-effective resolution of disputes
- Refund of Court fee

You can also contact your nearest State / District / Taluka Legal Services Authority.

Information available at the website https://www.sci.gov.in/

Contact Details

Room No. 127, Block B, First Floor, Additional Building Complex, Supreme Court of India, New Delhi-110001

Phone: +91-11-23115656

email: special.lokadalat@sci.nic.in

--Janasanyog/D/1434/24/12-Jun-24

संपादकीय

# बैसाखी नहीं, मजबूत कंधे बनें सहयोगी दल

**राष्ट्रीय** जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के संसदीय समिति की बैठक के बाद उन सभी प्रश्नों का उत्तर मिल गया है कि जदयू के प्रमुख नीतीश कुमार और तेदपी के चंद्रबाबू नायडू भाजपा को छोड़कर कहीं और नहीं जा रहे हैं। यह भी स्पष्ट हो गया है कि 9 जून को शाम छह बजे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एक बार फिर प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। राजग के सभी घटक दलों ने एकमत से राजनाथ सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। सबसे महत्वपूर्ण वक्तव्य नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के रहे क्योंकि उसकी निगाहें उनकी ओर ही थीं। आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन में भी काफी हलचल हो रही थी। उस ओर से भी यही कहा जा रहा था कि उनकी नजर नीतीश बाबू और नायडू के व्यवहार पर रहेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि "नरेन्द्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा"। नीतीश कुमार के इस बयान ने विपक्षी गठबंधन के सपनों पर तुषारपात कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी स्मरण रखना चाहिए कि इंडी गठबंधन को आकार देने में नीतीश कुमार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन जब गठबंधन जमीन पर दिखने लगा तो कांग्रेस ने उस पर कब्जा कर लिया और नीतीश कुमार को बुरी तरह अनदेखा किया गया। इंडी गठबंधन के नाम को लेकर भी नीतीश बाबू ने घोर असहमति दर्ज करायी थी। आमजन ने भी यही माना कि विपक्षी गठबंधन का नामकरण एक प्रकार से राजनीतिक छल-प्रपंच था। बहरहाल, नीतीश कुमार के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार इधर-उधर होने की अपनी छवि को मिटाना चाहते हैं। कांग्रेस और आरजेडी के साथ जाकर उन्हें यह बात ध्यान आ गई है कि उनकी विकास पुरुष की छवि भाजपा के साथ रहने पर ही बनी थी। बिहार के लिए कुछ अच्छा करने का अवसर उन्हें भाजपा के साथ ही मिल सकता है। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के प्रति विश्वास जताते हुए इसी प्रकार के भाव चंद्रबाबू नायडू ने व्यक्त किए हैं। उन्होंने कहा है कि "नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई है। उनके नेतृत्व में भारत एक वैश्विक शक्ति बनकर उभरा है। नरेंद्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास, विकसित भारत और एनडीए की सामूहिक सोच के साथ हम भारत को गरीबी मुक्त देश बना सकते हैं"। यह कहने में कोई संकोच नहीं कि भारत ने पिछले दस वर्षों में जिस प्रकार से वैश्विक स्तर पर अपनी साख बनायी है, वह बहुत महत्व रखती है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था ने गति के साथ मजबूती भी पकड़ी है। आज भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की शीर्ष पाँच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यह छोटी बात नहीं है। नायडू को पता है कि आंध्र प्रदेश के विकास को लेकर जो सपना उन्होंने देखा है, प्रधानमंत्री मोदी के साथ रहकर ही उसे पूरा किया जा सकता है। गठबंधन के अन्य घटक दलों ने भी प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व के प्रति विश्वास प्रकट किया है। बहरहाल, केंद्र में एक बार फिर राष्ट्र के विकास को समर्पित सरकार देखने को मिलेगी। उम्मीद है कि अगले पाँच वर्ष तक भारत में स्थायी और मजबूत सरकार रहेगी।

राजग के सभी घटक दलों ने एकमत से राजनाथ सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को संसदीय दल का नेता चुने जाने के प्रस्ताव का समर्थन किया है। सबसे महत्वपूर्ण वक्तव्य नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू के रहे क्योंकि उसकी निगाहें उनकी ओर ही थीं। आज कांग्रेस और इंडी गठबंधन में भी काफी हलचल हो रही थी। उस ओर से भी यही कहा जा रहा था कि उनकी नजर नीतीश बाबू और नायडू के व्यवहार पर रहेगी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्पष्ट कहा कि "नरेन्द्र मोदी 10 साल से प्रधानमंत्री हैं और फिर प्रधानमंत्री होने जा रहे हैं। हमलोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। अगली बार जब आइएगा तो न इस बार हम देखे हैं कि कुछ इधर-उधर जीत गया है अगली बार वो सब हारेगा"। नीतीश कुमार के इस बयान ने विपक्षी गठबंधन के सपनों पर तुषारपात कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों को भी स्मरण रखना चाहिए कि इंडी गठबंधन को आकार देने में नीतीश कुमार की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका रही है लेकिन जब गठबंधन जमीन पर दिखने लगा तो कांग्रेस ने उस पर कब्जा कर लिया और नीतीश कुमार को बुरी तरह अनदेखा किया गया। इंडी गठबंधन के नाम को लेकर भी नीतीश बाबू ने घोर असहमति दर्ज करायी थी। आमजन ने भी यही माना कि विपक्षी गठबंधन का नामकरण एक प्रकार से राजनीतिक छल-प्रपंच था। बहरहाल, नीतीश कुमार के तेवर बता रहे हैं कि वे इस बार इधर-उधर होने की अपनी छवि को मिटाना चाहते हैं।

### जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है

# बंगाल में राज्य प्रायोजित हिंसा एक बदनुमा दाग

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है।

**लोकसभा** चुनाव के बाद एक बार फिर पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, लोगों में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यही वजह है कि कलकत्ता हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सुरक्षा देने की मांग की गई है। याचिका में मांग की गई है कि पुलिस को निर्देश दिए जाएं कि वे विपक्षी कार्यकर्ताओं को हिंसा से बचाने के लिए सुरक्षा दें। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव बाद की हिंसा पर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट ने गंभीर चिंता जताई एवं ममता बनर्जी सरकार को कड़ी फटकार लगाई। चुनाव के बाद एवं लोकसभा चुनाव के प्रचार दौरान तृणमूल कांग्रेस ने व्यापक हिंसा, आतंक एवं अराजकता का माहौल बनाया। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता पार्टी जीत के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर जिस तरह के हिंसक हमले कर रहे हैं, वह लोकतंत्र पर एक बदनुमा दाग है। ममता बनर्जी ने चुनाव के महापर्व को हिंसक बना दिया था, उसने एवं उसके कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं से, हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाया है। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का सिलसिला चुनाव के पहले ही कायम हो गया था। राज्य में हिंसा की अनेक घटनाएं चुनाव के दौरान भी देखने को मिलीं और अब चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी देखने को मिल रही हैं, जिनमें ग्यारह लोगों की मौत होना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसका सीधा अर्थ है कि यह हिंसा तृणमूल कांग्रेस नेताओं के इशारे पर हो रही है। हैरानी नहीं कि अराजक तत्वों को बंगाल पुलिस का मौन समर्थन हासिल हो। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद तृणमूल कांग्रेस ने 'आतंक का राज' फैला दिया है। तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता विरोधी दलों और विशेष रूप से भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं। ऐसा तब हो रहा है, जब चुनाव आयोग के निर्देश पर बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती 19 जून तक बढ़ा दी गई है। ऐसा चुनाव बाद हिंसा की प्रबल आशंका को देखते हुए किया गया था। यह आश्चर्यजनक है कि बंगाल में केंद्रीय सुरक्षा बलों की चार सौ कंपनियां तैनात हैं और फिर भी वहां व्यापक हिंसा हो रही है। इससे सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि तृणमूल कांग्रेस हिंसा को कितने नियोजित ढंग से अंजाम दे रही है। इस हिंसा एवं अराजकता के बढ़ने के प्रबल आसार इसलिए हैं, क्योंकि राज्य में विधानसभा चुनाव के दौरान भी बड़े पैमाने पर जो हिंसा हुई थी, लोकसभा चुनाव में भी हिंसा हुई, पूर्व के अन्य चुनावों में भी हिंसा का बोलबाला रहा है। ऐसी स्थितियों में बंगाल में लोकतंत्र की भावना एवं मर्यादा का खुला हनन हो रहा है। इतनी व्यापक हिंसा बंगाल पुलिस के मूकदर्शक बने रहने एवं उसके सहयोग के बिना अंसभव है। इसी के चलते तमाम भाजपा कार्यकर्ता और उसके समर्थकों की हत्या की गई थी। पूर्व की हिंसा एवं आतंक के समय ऐसा माहौल बनाया गया था कि कई लोगों को अपना घर-बार छोड़कर पलायन करते हुए पड़ोसी राज्य असम में शरण लेनी पड़ी थी। इन जटिल होती स्थितियों को देखते हुए न्यायालय को हस्तक्षेप करना पड़ रहा है, जो एक लोकतांत्रिक सरकार के लिये लज्जाजनक है। पश्चिमी बंगाल की ममता सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। भ्रष्टाचार से लेकर मनमर्जी एवं तानाशाही का शासन चलाना मुख्यमंत्री ममता बनजम की प्रक्रिया बन गयी है। 2021 में विधानसभा चुनाव के बाद हुई हिंसा का संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच्च न्यायालय ने सीबीआइ को हिंसक घटनाओं की जांच करने को कहा था। इस जांच के दौरान तृणमूल कांग्रेस के अनेक नेताओं को गिरफ्तार किया गया था, लेकिन ऐसा लगता है कि यह कार्रवाई भी तृणमूल कांग्रेस के अराजक तत्वों के दुस्साहस का दमन नहीं कर सकी। इसका प्रमाण 2023 में पंचायत चुनाव के दौरान हुई भीषण हिंसा से मिला था, जिसमें 40 से अधिक लोगों की जान गई थी। इस लोकसभा चुनाव में भी हिंसा के चलते कई लोगों की जान जा चुकी है। यह ठीक है कि चुनाव बाद हिंसा पर कलकत्ता उच्च न्यायालय ने नाराजगी व्यक्त करते हुए यहां तक कहा कि यदि राज्य सरकार हिंसा पर लगाम नहीं लगा सकती तो केंद्रीय सुरक्षा बलों को बंगाल में पांच साल तक तैनात करने का आदेश देना पड़ सकता है। उच्च न्यायालय की इस कठोर टिप्पणी के बाद भी ममता सरकार की सेहत पर शायद ही कोई असर पड़े, क्योंकि वह सारा दोष विरोधी दलों पर मढ़ देती है। वास्तव में जब तक बंगाल में हिंसा के लिए ममता सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा, तब तक राज्य के हालात सुधरने वाले नहीं हैं। ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। चुनावों में जितनी हिंसा बंगाल में हुई, उतनी अन्यत्र कहीं देखने को नहीं मिली। बंगाल का लोकतंत्र तानाशाही मानसिकता से गुजर रहा है। इन स्थितियों से तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए ममता संविधान एवं सुरक्षा-व्यवस्था की जितनी अवमानना कर सकती है, उसने की है और आगे भी वह करती रहेगी। चुनावों में ऐसी हिंसक एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियां लोकतंत्र पर एक धुंधलका है, जिस पर नियंत्रण जरूरी है। लोकसभा चुनाव में जिन राज्यों के परिणामों ने पूरे देश को चौंकाया है उनमें पश्चिम बंगाल भी शुमार है। पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम इसलिये भी आश्चर्य में डाल रहे हैं कि वहां तृणमूल कांग्रेस सरकार के खिलाफ व्यापक नाराजगी थी, ममता सरकार के कई मंत्रियों और विधायकों पर घोटाले के आरोप लगे थे, संदेशखाली की महिलाओं पर हुआ अत्याचार देश भर में बड़ा मुद्दा बन गया था, ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के इर्दगिर्द ईडी का शिकंजा कसा हुआ था, ममता बनर्जी को सनातन विरोधी बताया जा रहा था, तृणमूल कांग्रेस के कई बड़े नेताओं ने चुनावों से ऐन पहले पाला बदल लिया था, तृणमूल कांग्रेस पर हिंसक एवं अराजक होने का तगमा लगा था, बावजूद ममता जीती। देखा जाये तो ममता बनर्जी की छवि जुझारू एवं कद्दावर नेता की रही है और वह अपनी पार्टी को जिताने के लिए जी-जान लगा देती हैं। चुनाव प्रचार के दौरान खुद पर होने वाले राजनीतिक हमलों को वह अपने पक्ष में मोड़ लेने में माहिर हैं। इसके अलावा, इंडिया गठबंधन के तमाम नेताओं ने विभिन्न राज्यों में सीटों का बंटवारा कर आपस में समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा लेकिन ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले ही सारी चुनौती झेली। वह अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है? ममता एवं तृणमूल कांग्रेस का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता।

दृष्टि कोण

# तमिलनाडु के परिणामों ने भाजपा को निराश किया है या भविष्य के लिए नई उम्मीद जगाई है?

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने लोकसभा चुनावों में इस बार दक्षिणी राज्यों खासकर तमिलनाडु और केरल में काफी चुनाव प्रचार किया था। यही नहीं, चुनावों से पहले भी वह जिस तरह लगातार इन राज्यों का दौरा कर रहे थे उसके चलते भाजपा आलाकमान को विश्वास था कि इस बार दक्षिण में भी खूब कमल खिलेंगे। लेकिन ऐसा हो नहीं सका। हालांकि केरल में त्रिशूर सीट जीत कर भाजपा ने पहली बार अपना खाता खोल लिया लेकिन तमिलनाडु में वह इस बार भी खाली हाथ ही रही। तमिलनाडु में भाजपा का जो हश्र हुआ है उसके चलते अब पार्टी में अंदरूनी घमासान भी देखने को मिल रहा है। वैसे चुनावों के समय ही यह दिख रहा था कि वहां द्रमुक के नेतृत्व वाला गठबंधन ही सबसे आगे है लेकिन भाजपा के इतने बुरे हाल की कल्पना किसी ने नहीं की थी। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई ने जब राज्यव्यापी यात्रा निकाली थी तो उनको भारी जन समर्थन मिला था। यही नहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुनावी रैलियों में भी खूब भीड़ उमड़ रही थी। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कई रोड़ शो भी किये जिसमें उमड़ा जनसैलाब भाजपा की उम्मीदों को लगातार बढ़ा रहा था। भाजपा ने इस बार चुनावों में अपने कई दिग्गजों को उतार दिया था और उन्होंने जिस मेहनत के साथ चुनाव प्रचार किया उससे लग रहा था कि भाजपा चार या पांच सीटों पर जीत सकती है। लेकिन परिणाम भाजपा के लिए बेहद निराशाजनक रहे। हम आपको बता दें कि एक लोकसभा सीट नागापट्टिनम में तो भाजपा चौथे स्थान पर जा पहुँची।

साथ ही भाजपा जिन 23 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी उसमें से उसने 11 पर अपनी जमानत गंवा दी। यही नहीं, भाजपा के सहयोगी दलों- आईजेके, पीएमके, तमिल मनीला कांग्रेस (टीएमसी) और एएमएमके ने भी दस सीटों पर जपनी जमानत गंवा दी। यह परिणाम दर्शाता है कि भाजपा और उसके गठबंधन दलों का सारा चुनाव प्रचार हवा-हवाई ही था, जमीन पर कुछ था ही नहीं। चुनाव परिणामों के बाद सवाल उठ रहा है कि प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अन्नामलाई का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन तोड़ना और अकेले चुनाव लड़ने का फैसला कहीं गलत तो नहीं था? इस सवाल को लेकर प्रदेश भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि अन्नामलाई ने भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व को गुमराह किया। इन नेताओं का कहना है कि अगर अन्नाद्रमुक के साथ चुनाव लड़े होते तो स्थिति कुछ और होती। इन नेताओं का कहना है कि यदि अन्नाद्रमुक साथ होती तो तमिलनाडु में भाजपा का उभार होता तथा भाजपा के पास इस दक्षिणी राज्य से भी लोकसभा सीटें होतीं जिनकी आज बेहद जरूरत है। इन नेताओं का कहना है कि अन्नाद्रमुक से संबंध तोड़ने का फैसला हमारे लिये घातक सिद्ध हुआ है। भाजपा प्रदेश बौद्धिक प्रकोष्ठ के प्रमुख कल्याण रमन ने तो एक्स पर पोस्ट करके अन्नामलाई पर सीधा-सीधा आरोप भी लगा दिया है कि उन्होंने केंद्रीय नेतृत्व को सही बात नहीं बताई। उनका यह भी कहना है कि भाजपा ने चुनाव का संचालन भी ठीक से नहीं किया और पार्टी का वार रूम सिर्फ अन्नामलाई के इर्दगिर्द माहौल बनाने में लगा हुआ था। दूसरी ओर, अन्नामलाई की बात करें तो वह लोकसभा चुनाव परिणाम के बारे में यह तो मान रहे हैं कि भाजपा को उम्मीद के मुताबिक मत नहीं मिले लेकिन वह यह भी कह रहे हैं कि अन्नाद्रमुक को राज्य की जनता ने खारिज कर दिया है। उन्होंने 2026 में तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के दौरान भी अन्नाद्रमुक से किसी प्रकार के गठबंधन की संभावना को खारिज कर दिया है। वह कह रहे हैं कि हमसे जहां गलतियां हुईं उसकी समीक्षा की जायेगी और यह देखा जायेगा कि पार्टी को कैसे नये सिरे से खड़ा किया जा सकता है। वह अब भी इस बात के पक्षधर हैं कि भाजपा को राज्य में अपने बलबूते ही पैरों पर खड़ा होना चाहिए। हम आपको याद दिला दें कि तमाम एग्जिट पोलों ने भविष्यवाणी की थी कि भाजपा राज्य में कम से कम 2-3 सीटें जीतकर तमिलनाडु के राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश करेगी। लेकिन चुनाव परिणामों ने दर्शाया है कि द्रविड़ राजनीति वाले राज्य में लोकसभा सीट जीतने का भाजपा का इंतजार और लंबा हो गया है। भाजपा ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अन्नामलाई के जरिये तमिलनाडु में अपना आधार बढ़ाने की जो रणनीति बनाई थी वह कामयाब नहीं हो पाई है। अन्नामलाई तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव हार गये थे और अब वह कोयम्बटूर से लोकसभा चुनाव भी हार गये हैं। हम आपको बता दें कि साल 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने राज्य भर में 23 उम्मीदवार उतारे थे। पार्टी ने 19 निर्वाचन क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारे थे और शेष चार पर अपने सहयोगियों को कमल के निशान के तहत चुनाव लड़ाया था। लेकिन पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाई। हालाँकि, पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनावों में मिले वोट शेयर 3.38 प्रतिशत को इस बार बढ़ाकर 11.24 प्रतिशत कर लिया है जोकि कांग्रेस से बेहतर प्रदर्शन है। कांग्रेस का इस चुनाव में वोट प्रतिशत 10.67 रहा है। माना जा रहा है वोट शेयर में यह उल्लेखनीय वृद्धि 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में भाजपा की मदद कर सकती है। इसके अलावा इस चुनाव की खास बात यह है कि 10 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा ने अन्नाद्रमुक को तीसरे स्थान पर धकेल दिया है और खुद उपविजेता बनकर उभरी है। हम आपको यह भी याद दिला दें कि 2021 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा का अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन था। उस दौरान भाजपा को चार विधानसभा सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

कुछ अलग

# सितारे हमारे-आपके बीच के लोग

**आज** से पांच साल पहले किसी ने सोचा भी नहीं था कि एक ऐसा वक्त भी आएगा, जब आप कुछ न करते हुए भी बहुत कुछ करेंगे और पैसे भी कमाएंगे। बात चाहे यात्राओं की हो या खान-पान की या फिर फैशन की, देश-विदेश की बड़ी कंपनियां ऐसे लोगों को, जो इंटरनेट पर ज्यादा फॉलोवर रखते हैं, अपने उत्पाद के विज्ञापन के लिए पैसे दे रही हैं और उनके खर्चे भी उठा रही हैं। इंटरनेट की दुनिया की खास बात है गतिशीलता। नया बहुत जल्दी पुराना हो जाता है और नई संभावनाओं के द्वार खुल जाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स में नए-नए फीचर जुड़ रहे हैं। इस कवायद का मतलब ऑडियंस को ज्यादा वक्त तक अपने प्लेटफॉर्म से जोड़े रखना है। बड़ा कारण इंटरनेट द्वारा पैदा हो रही आय भी है। इसके अलावा, सोशल मीडिया रातों-रात लोगों को सेलिब्रिटी बना दे रहा है, जिसमें बड़ी भूमिका फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसी साइट्स की है। मूल्यांकन सलाहकार फर्म क्रोल की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, एक साल में एक तिहाई भारतीय ब्रांड्स ने अपनी इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग पर खर्च दोगुना कर दिया है। कोरोना महामारी ने बड़ी मात्रा में डिजिटलीकरण को प्रेरित किया। भारत में सोशल मीडिया की कंटेंट क्रिएटर इंडस्ट्री पच्चीस प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रही है, जिसके साल 2025 में 29.03 करोड़ डॉलर होने की संभावना है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स अब ब्रांड को एक बड़े दर्शक वर्ग पर कम खर्च में पहुंचाने का सुलभ तरीका बन रहा है। आज भारत में लगभग आठ करोड़ कंटेंट क्रिएटर हैं। डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी आई क्यूब्स वायर के शोध से पता चलता है कि करीब 35 फीसदी ग्राहकों के खरीदारी निर्णय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर पोस्ट, रील्स व वीडियो देखकर लिए जा रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स अपनी बड़ी फैन फॉलोइंग का फायदा 'सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर' के तौर पर उठा रहे हैं और यह विज्ञापन के नए माध्यम के रूप में तेजी से उभर रहा है। सोशल मीडिया आम इंटरनेट यूजर्स को सितारा बना रहा है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर, व्यक्ति और ब्रांड प्रमोशन का बड़ा औजार बनकर सामने आए हैं। सोशल मीडिया विज्ञापन का एक अपरंपरागत माध्यम है, जो बाकी सारे मीडिया से अलग है। यह एक वर्चुअल वर्ल्ड बनाता है, जिसे उपयोग करने वाला व्यक्ति सोशल मीडिया के किसी प्लेटफॉर्म आदि का उपयोग कर किसी भी इंटरनेट से जुड़े व्यक्ति तक पहुंच बना सकता है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर वह आम व्यक्ति होता है, जिसके विभिन्न प्लेटफॉर्म पर कई फॉलोवर होते हैं। वह अपनी लोकप्रियता का इस्तेमाल विभिन्न तरह के उत्पाद के विज्ञापन में करता है। इसमें दूसरे विज्ञापन माध्यमों के मुकाबले निवेश पर रिटर्न अधिक है। देश के लाखों युवा सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को एक बेहतर कॅरिअर विकल्प के रूप में देख रहे हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जहां विज्ञापनों की दुनिया में एक नया आयाम गढ़ रहे हैं, वहीं विज्ञापनों में सेलिब्रिटी स्टेटस को खत्म भी कर रहे हैं, जहां हमारे-आपके बीच के लोग ही स्टार बन रहे हैं। भारत में चूंकि अभी इंटरनेट बाजार में पर्याप्त संभावनाएं हैं, इसलिए अभी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का यह दौर चलेगा, पर कुछ चिंताएं भी हैं। भारत के इन्फ्लुएंसर मार्केटिंग उद्योग को विनियमन की आवश्यकता है, ताकि तथ्यों के गलत प्रस्तुतीकरण से बचा जा सके। जनवरी 2023 में, भारत के उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने इसके लिए गाइडलाइंस जारी करते हुए घोषणा की कि ऐसी गाइडलाइंस ग्राहक हितों की रक्षा के लिए जरूरी हैं। सोशल मीडिया पर विज्ञापन करने वाले सलेब्रिटीज भी इसके दायरे में होंगे।

देश दुनीया से

# तो क्या ये नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? अतीत से सुनें वर्तमान की धड़कन

आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था।

**भारतीय** रिजर्व बैंक (आरबीआई) लंदन की तिजोरियों से सोना निकालकर भारत ला रहा है। इन तिजोरियों के इस्तेमाल की अपनी लागत जो है। आरबीआई के पास करीब 822 टन सोने का भंडार है। आरबीआई ने 2019 से 2024 के बीच 209 टन सोना खरीदा है। इतना सोना है, तो इसे संभालने का भी झंझट है। भारत ही क्यों? दुनिया भर के केंद्रीय बैंक दबाकर सोना खरीद रहे हैं। चीन ने लगातार 17 महीने सोने की खरीद की। विश्व के केंद्रीय बैंकों के पास अब करीब 2,262 टन सोना जमा है। सोने की कीमतें अपनी रिकॉर्ड ऊंचाई पर हैं, मगर केंद्रीय बैंक पगलाए हुए सोना जुटाने में लगे हैं। वह भी अब तक की सबसे ऊंची कीमत पर। दुनिया में अब तक जितना सोना निकाला गया है, उसका 20 फीसदी हिस्सा विश्व के केंद्रीय बैंकों की तिजोरियों में है। इस दीवानगी की वजह क्या है? गोल्ड स्टैंडर्ड तो कब का दफन हो गया, जिसमें किसी देश की करेंसी का मूल्यांकन सोने में किया जाता था। केंद्रीय बैंक तो संप्रभु करेंसी के मालिक हैं, जो सोने में नापे जाने की शर्त से मुक्त हैं। बाजार बता रहा है कि बैंकों को दुनिया भर की करेंसी, खासतौर पर डॉलर में गिरावट के डर से उनके विदेशी मुद्रा भंडार सोने की आमद से चमक रहे हैं। घाना 2023 से तेल का भुगतान गोल्ड में कर रहा है। रूस ने युद्ध के दौरान रुबल देकर सोना जुटाने का एलान किया था, तो क्या नए गोल्ड स्टैंडर्ड की आहट है? आइए, टाइम मशीन का मोटर गुर्रा रहा है, अपनी सीट पकड़िए और उड़ चलते हैं गोल्ड स्टैंडर्ड की रोमांचक दुनिया में। अब हम अमेरिका के न्यू हैंपशायर के ऊपर से उड़ रहे हैं। पर्वतों से घिरा यह रिजॉर्ट टाउन, जो स्कीइंग के दीवानों का गढ़ है। हम बढ़ रहे हैं 18वीं सदी के आखिरी दशकों की तरफ। यहां कोयला और रेलवे का विकास हो रहा है। कोयला व रेलवे के कारोबार से अमीर बने जोसेफ स्टेकिनी माउंट वॉशिंगटन नाम का होटल बना रहे हैं। यह होटल 21वीं सदी में मौजूद रहेगा, मगर इससे पहले यह अनोखा इतिहास बनाएगा। टाइम मशीन ने गियर बदला है। अब हम 1944 में हैं। दूसरे विश्वयुद्ध का खून-खच्चर चरम पर है। हम उसी माउंट वॉशिंगटन होटल पर पहुंचे हैं, जो बड़ी जंग के बीच एक बड़े समझौते की तैयारी कर रहा है। यहां 44 देश जुटे हैं, जिनमें ब्रिटिश इंडिया भी है, तालियों की गूंज में नई आर्थिक व्यवस्था बन गई है। विश्व के प्रमुख देशों ने विश्व बैंक व अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं की बुनियाद रख दी है। यहीं से निकल रही है एक नई मौद्रिक व्यवस्था, यानी गोल्ड स्टैंडर्ड। कागजी मुद्रा का सोने में मूल्यांकन। एक औंस सोने के बदले 35 अमेरिकी डॉलर, दुनिया ने मिलकर अमेरिका को गोल्ड स्टैंडर्ड का संचालक बना दिया है। अमेरिका को इस पैमाने को कायम रखना है। मतलब, अगर सोने की विनिमय दर 35 डॉलर से नीचे जाती, तो अमेरिका को डॉलर छापकर इसे संतुलित करना होता था। गोल्ड स्टैंडर्ड के साथ ही उस वक्त की तीन बड़ी मुद्राओं-ब्रिटिश पाउंड, जर्मन मार्क, फ्रेंच फ्रैंक के विनिमय का आधार अमेरिकी डॉलर हो गया है। मौद्रिक स्टैंडर्ड का यह अनोखा प्रयोग है, जिसे युद्ध

से उबरती दुनिया ने अपना लिया है। अब बढ़ते हैं 1960 के फ्रांस की तरफ, जहां दिखेगी एक अनोखी कूटनीतिक जंग। बताते चलें कि 1960 के बाद वक्त ने करवट ली। जापान और यूरोप का निर्यात तेजी से बढ़ा। विश्व व्यापार में अमेरिका का हिस्सा घटने लगा। अमेरिकी डॉलर की मांग कम हो गई, तो दुनिया के देश अमेरिका से डॉलर के बदले सोना मांगने लगे। इसी दौरान अमेरिका में रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए और ज्यादा करेंसी छापी गई। आपके सामने अखबारों की सुर्खियां तैर रही हैं, जो बता रही हैं कि बाजार में अमेरिका के डॉलर ज्यादा हो गए व अमेरिका के पास सोना कम रह गया। इसके साथ ही दुनिया के मुद्रा बाजार में अमेरिका की ताकत कम होने लगी। अब हम पेरिस में हैं। माइक पर गरज रहे फ्रांस के राष्ट्रपति चार्ल्स डे गॉल ने फ्रांस के नए राजनीतिक दौर की शुरुआत की है। पेरिस की राजनीतिक हवा में आपको यह पता चल जाएगा कि यूरोप के सबसे तेज-तर्रार नेताओं में से एक चार्ल्स डे गॉल अमेरिका विरोधी हैं। फ्रेडी रूजवेल्ट से लेकर रिचर्ड निक्सन तक छह अमेरिकी राष्ट्रपतियों के साथ उनके रिश्ते ज्यादातर खट्टे रहे हैं। अब चार्ल्स डे गॉल ने अमेरिकी अगुआई वाले गोल्ड स्टैंडर्ड को निशाना बनाया है। गॉल ने फ्रांस में अमेरिका से डॉलर के बदले सोना लेना शुरू कर दिया है। इस कदम का रहस्य खुलने तक फ्रांस करीब 15.करोड़ डॉलर के बदले सोना दे चुका है। अब खबरों पर नजर जमाइए। डे गॉल ने एलान कर दिया है कि फ्रांस के पास जितने भी अमेरिकी डॉलर हैं, उनके बदले वह अमेरिका से सोना वसूल करेगा। किसी मित्र देश की तरफ से यह अमेरिका पर सबसे बड़ा कूटनीतिक हमला है। फ्रांस के बाद स्पेन ने भी अमेरिका से सोना वसूल लिया। अब बाजार में सोने की कीमत खौलने लगी है। यह अक्तूबर, 1960 है, जब सोने की कीमत रिकॉर्ड 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई। अब हम लंदन चलते हैं, ब्रिटेन, पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, नीदरलैंड व अमेरिका ने मिलकर लंदन गोल्ड पूल बनाया है। इन देशों के पास उपलब्ध सोने के भंडारों के इस्तेमाल से गोल्ड स्टैंडर्ड को बचाने की कोशिश की गई है। इस भंडार के जरिये 35 डॉलर प्रति औंस की कीमत को बचाया जा रहा है। इस गठजोड़ में दरारों पर नजर रखते हुए हमारी टाइम मशीन 1968 में आ गई है। फ्रांस ने इससे नाता तोड़ लिया है और लंदन गोल्ड पूल ढह गया। दुनिया में गोल्ड स्टैंडर्ड की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सोने की खबरों के बीच आपको पता चलेगा कि 1962 में अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने दुनिया के नौ केंद्रीय बैंकों के साथ एक स्वैप सुविधा शुरू की थी। इनमें ब्रिटेन, तब का पश्चिम जर्मनी, इटली, फ्रांस और कनाडा प्रमुख थे। कोशिश थी कि डॉलर के बदले सोने की मांग सीमित व संतुलित की जा सके, लेकिन अमेरिका के मौद्रिक सिस्टम की दरारें खुल चुकी थीं। सोना कम था व डॉलर की भरमार थी। अंततः गोल्ड स्टैंडर्ड का अंत आ पहुंचा। टाइम मशीन लंदन से वॉशिंगटन आ गई है। यह 1971 का ऐतिहासिक वर्ष है। अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने डॉलर की सोने से परिवर्तनीयता खत्म कर दी।

आप का नजरीया

# रुरु की मृत पत्नी कैसे हुई पुनर्जीवित

**महर्षि** भृगु के पौत्र प्रमति ने घृताची नाम की अप्सरा से एक पुत्र उत्पन्न किया। उसका नाम रुरु था। इसी तरह गंधर्वराज विश्वावसु और अप्सरा मेनका की भी एक पुत्री हुई। परंतु मेनका, कन्या के जन्म के बाद उसे स्थूलकेश मुनि के आश्रम के पास छोड़कर चली गई। स्थूलकेश कन्या को अपने आश्रम में ले आए और उसका पालन-पोषण करने लगे। बालिका बुद्धि, रूप और उत्तम गुणों से सुशोभित थी। वह संसार की समस्त प्रमदाओं (सुंदर स्त्रियों) में श्रेष्ठ दिखती थी, इसलिए स्थूलकेश ने उसका नाम 'प्रमद्वरा' रख दिया। एक दिन संयोग से, प्रमतिनंदन रुरु ने प्रमद्वरा को महर्षि स्थूलकेश के आश्रम में देखा। उसे देखते ही रुरु मंत्रमुग्ध हो गया, तो प्रमति ने स्थूलकेश से रुरु के लिए प्रमद्वरा का हाथ मांगा। स्थूलकेश विवाह के लिए तैयार हो गए। आगामी उत्तर फाल्गुनी नक्षत्र में विवाह होना निश्चित हो गया। विवाह से कुछ ही समय पहले प्रमद्वरा अपनी सखियों के साथ वन में घूम रही थी कि तभी मार्ग में एक सांप बैठा था। प्रमद्वरा ने ध्यान नहीं दिया और उसका पैर सर्प के ऊपर पड़ गया। सर्प ने प्रमद्वरा को डस लिया और वह उसी क्षण मूर्छित होकर गिर पड़ी। उसके शरीर का रंग उड़ गया और कुछ ही देर में प्रमद्वरा की मृत्यु हो गई। उसके बंधु-बांधव उसे मृत देखकर विलाप करने लगे। आश्रम में हाहाकार मच गया। उसे जीवित देखकर सब जितने प्रसन्न होते थे, उसकी मृत देह उतना ही कष्ट दे रही थी। प्रमद्वरा का मुख शांत और विकार रहित था। ऐसा लगता था, मानो वह उठकर अभी बोलने लगेगी। सर्प-विष के प्रभाव से चेतना-शून्य हो चुकी प्रमद्वरा को स्थूलकेश के अतिरिक्त अन्य तपस्वियों ने देखा, जिनमें महाजानु, कुशिक, शंखमेखल, उद्दालक, कठ, श्वैत, भारद्वाज, कौणकुत्स्य, आर्टिषेण, गौतम आदि भी सम्मिलित थे। वे सब प्रमद्वरा को प्राणशून्य देखकर रोने लगे। रुरु भी प्रमद्वरा के शव पर विलाप कर रहा था। फिर वह सहसा उठा और एक समीपवर्ती वन में जाकर जोर-जोर से रोने लगा। रुरु, करुण स्वर में बोला, हाय! मेरी प्रमद्वरा, मुझे व बांधवों को शोकाकुल करके भूमि पर निष्प्राण पड़ी है। इससे बड़ा दुख और क्या होगा? 'यदि मैंने दान दिया हो, तपस्या की हो अथवा गुरुजनों की भलीभांति आराधना की हो, तो उसके पुण्य से मेरी प्रमद्वरा जीवित हो जाए! यदि मैंने जन्म से लेकर अब तक मन और इंद्रियों पर संयम रखा हो और ब्रह्मचर्य का दृढ़तापूर्वक पालन किया हो, तो मेरी प्रमद्वरा अभी जी उठे! यदि पापी असुरों का नाश करने वाले, इंद्रियों के स्वामी भगवान श्रीकृष्ण में मेरी अविचल भक्ति हो, तो यह कल्याणी प्रमद्वरा तुरंत जी उठे!' इस तरह जब रुरु विलाप कर रहा था, तो एक देवदूत उसके पास आया और बोला, धर्मात्मा रुरु! तुम दुख से व्याकुल हो, परंतु जिस मनुष्य की आयु समाप्त हो जाती है, उसे फिर जीवन नहीं मिल सकता। अतः तुम शोक मत करो। परंतु इस विषय में देवताओं ने एक उपाय निश्चित किया है। यदि उसे करना चाहो, तो तुम प्रमद्वरा को फिर से पा सकते हो। रुरु बोला, हे देवदूत! देवताओं ने कौन-सा उपाय निश्चित किया है? मुझे भी बताइए। मैं वही करूंगा, जिससे मेरी प्रमद्वरा मुझे वापस मिल जाए।

# योगी कैबिनेट की बैठक में तबादला नीति समेत 41 प्रस्तावों पर लगी मुहर

**लखनऊ ( हिंस )।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को कैबिनेट की अहम बैठक हुई। पेपर लैस बैठक की दिशा और उद्देश्य से उप्र में पहली बार कैबिनेट बैठक में मंत्रियों को टैबलेट के साथ बुलाया गया। लोक भवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में 41 प्रस्तावों पर मुहर लगी। इसमें लम्बे समय से लटकी तबादला नीति को मंजूरी दे दी गई। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद योगी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक मंगलवार को सम्पन्न हुई। योगी सरकार की कैबिनेट नोट शीट की जगह नोट पैड से की गई, यानी पेपर की जगह पेपर लेस (कागज रहित) कैबिनेट बैठक की गई। बैठक में प्रदेश की प्रगति और जन उपयोगी 41 प्रस्तावों पर योगी सरकार ने मुहर लगाई। अचार संहिता लागू होने की वजह से कई अहम योजनाओं पर रोक लगी हुई थी। जिन्हें आज हुई कैबिनेट बैठक में मुहर लगाई गई। जिन अहम प्रस्तावों में योगी कैबिनेट ने तबादला नीति पर मुहर लगाई है। अब प्रदेश में स्थानांतरण 30 जून तक होंगे। समूह क,

ख के अफसरों में से 20 प्रतिशत का ही तबादला होगा। ज्यादा समय से जमे अफसरों को ही हटाया जाएगा। कैबिनेट बैठक में लगे प्रस्तावों की जानकारी देते हुए मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि शुद्ध पेयजल को लेकर प्रदेश प्रस्ताव पास हुआ है। वहीं बुंदेलखंड के झांसी, महोबा, बांदा, हमीरपुर और मीरजापुर, सोनभद्र जनपदों में चल रही विभिन्न परियोजनाओं को पूर्ण कराने पर मुहर लगी है। इससे आने वाले दो माह में जनता को उसका लाभ मिलने लगेगा। मंत्री ने बताया कि प्रदेश में शिक्षा का विकास करने और हब बनाने के लिए प्रदेश में प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने मुहर लगाई है। इसमें निजी स्कूलों के साथ मंडल स्तर पर एक सरकारी स्कूल को स्थापित करने पर मंजूरी दी। इस तरह से प्रदेश के छह मंडलों में पहले चरण में सरकारी स्कूलों को विकसित कर शिक्षा विस्तार कर बच्चों को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाया जाएगा। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि आज जिन प्रस्तावों पर मुहर लगाई गई, उनमें औद्योगिक विकास, आईटी, नगर विकास, गृह विभाग, पीडब्ल्यूडी, कृषि और चिकित्सा विभाग के प्रस्ताव शामिल हैं। इसके अलावा डिफेंस कॉरीडोर नीति का प्रस्ताव, औद्योगिक निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीतियों में बदलाव का प्रस्ताव आज की बैठक में पास हुआ है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि जिन प्रस्तावों पर आज मुहर लगी है उनमें नोएडा का 500 बेड वाला अस्पताल, आईआईटी कानपुर 500 बेड वाला एमएमटी 750 करोड़ की लागत से तैयार किया जाएगा। इसमें केन्द्रीय बजट से स्कूल आफ रिसर्च एवं टेक्नालॉजी के रूप में तैयार किया जाएगा। इसमें राज्य सरकार कानपुर आईआईटी में मेडिकल रिसर्च इंस्टिट्यूट की स्थापना में 50 करोड़ के अंशदान देगी। वहीं लखीमपुर हवाई अड्डे के विस्तार को स्वीकृत मिली है। इसमें तीन गांवों की जमीन को किसानों से लिया जाएगा और इसका विस्तार कर 72 सीटों का हवाई जहाज उतारने और टेक आफ करने वाला हवाई अड्डा तैयार किया जाएगा। प्रदेश सरकार के कर्मचारियों को रिटायरमेंट 30 जून और 31 दिसंबर को हुए है। जिनका एक जुलाई को ग्रेच्युटी लागू है उसे लाभ दिया जाएगा। बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, सूर्य प्रताप शाही, एके शर्मा, बेबी रानी मौर्य, नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी, राकेश सचान, जयवीर सिंह आदि उपस्थित रहे।

## जम्मू कश्मीर में श्रद्धालुओं पर हुआ हमला कायराना, सख्त कार्रवाई करें सरकार : जूली

**अलवर ( हिंस )।** नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले में 10 श्रद्धालुओं की मौत को कायराना हमला करार देते हुए कड़े शब्दों में निंदा की है। जूली ने आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए सरकार से मृतकों को मुआवजा और आश्रितों को सरकारी नौकरी देने की बात कही। जूली ने मंगलवार को कहा कि जयपुर के चार लोग वैष्णो देवी के दर्शन करने गए थे जो इस हमले में अपनी जान गंवा चुके। उन्होंने कहा कि 370 हटने के बाद भी आतंकवाद खत्म करने के खोखले दावों के बीच ऐसी दिल दहलाने वाली घटना ने सभी को झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि सत्ता के नशे में चूर सरकार जहां एक तरफ जश्न मना रही थी वहीं दूसरी तरफ माता के भक्तों पर आतंकी अंधाधुंध गोलियां बरसाते रहे। उन्होंने कहा कि यह दिन देश के इतिहास में काला दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर में दोबारा आतंक फैलाने का प्लान तैयार किया जा रहा है।

## कर्पूरी ठाकुर मंच ने रामनाथ ठाकुर को मंत्री बनाने पर पीएम और सीएम के प्रति किया आभार व्यक्त

**अररिया ( हिंस )।** राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गठित मंत्रीमंडल में जननायक कर्पूरी ठाकुर के सुपुत्र रामनाथ ठाकुर को शामिल किए जाने पर फारबिसगंज कर्पूरी ठाकुर मंच ने पीएम और सीएम के प्रति आभार व्यक्त किया है। जननायक कर्पूरी ठाकुर मंच के मुन्ना ठाकुर, पवन ठाकुर, हरेंद्र ठाकुर, दिलीप ठाकुर, सूर्यकांत ठाकुर, रामचन्द्र ठाकुर, नंदन ठाकुर, सिकन्दर ठाकुर, प्रदीप ठाकुर आदि ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को बधाई दी और आशा व्यक्त किया कि रामनाथ ठाकुर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सोंपे गए पद को नैतिकता और ईमानदारी से निभाएंगे। मंच के नेताओं ने केंद्र सरकार में शामिल रामनाथ ठाकुर से मांग किया है कि वे पीएम मोदी के नेतृत्व के सरकार में रहते हुए केंद्र सरकार को नाई समाज की वस्तु स्थिति से अवगत कराते हुए समाज के कल्याण केलिए अनुसूचित जाति में शामिल करने की मांग को रखे, जिससे अतिपिछड़ों में भी पिछड़े नाई समाज शैक्षणिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत हो सके।

## कर्मियों के स्थानांतरण पर राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप ने दी सहमति

**किशनगंज ( हिंस )।** पिछले पांच वर्षों से ज्यादा समय से एक ही हलके में जो कर्मचारी पदस्थापित हैं, उनका स्थानांतरण निश्चित रूप से दूसरे अंचलों में कर दिया जाए। इस आशय का जानकारी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने दी। वो राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जाएसवाल द्वारा प्रदान की गई सहमति की जानकारी मीडिया को दे रहे थे। उल्लेखनीय है कि शहरी क्षेत्रों में दो वर्षों से ज्यादा समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरित कर ग्रामीण अंचलों में पदस्थापित करने का निर्देश दिया गया है। यह निर्देश सभी नगरपालिका क्षेत्र, नगर परिषद एवं नगर पंचायत शहरी क्षेत्र में लागू होगा। स्थानांतरण की सूची की निगरानी की जिम्मेवार पदाधिकारी स्वयं करेंगे। निर्देश का शत-प्रतिशत अनुपालन अनिवार्य है। इससे छूट केवल वैसे ही लोगों को दी जा सकती है जो शारीरिक तौर पर अशक्त हैं परन्तु उन्हें भी निश्चित रूप से एक हलके में स्थानांतरित करना है। प्रासंगिक पत्र के अनुसार जो कर्मचारी पांच वर्षों से ज्यादा समय से एक ही हलके में पदस्थापित हैं, उन सभी का स्थानांतरण सुनिश्चित करना है।सभी समाहर्ता, बिहार, एक ही स्थान पर लंबे समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरण करेंगे। गौर करे कि पत्रांक-152/सी, दिनांक-07.06.2024 में विशेष विवरण दिया गया है। पत्र में शहरी क्षेत्र में दो वर्षों से ज्यादा समय से पदस्थापित राजस्व कर्मचारियों का स्थानांतरित कर ग्रामीण अंचलों में पदस्थापित करने का निर्देश दिया गया है। इस क्रम में सभी नगरपालिका क्षेत्र, नगर परिषद एवं नगर पंचायत शहरी क्षेत्र माने जाऐगे। सख्त हिदायत देते हुए मीडिया को बताया गया कि स्थानांतरण की सूची की स्वयं निगरानी जिम्मेवार पदाधिकारी करेंगे ताकि इसका शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित हो। इससे छूट केवल वैसे ही लोगों को दी जा सकती है जो शारीरिक तौर पर अशक्त हैं परन्तु उन्हें भी निश्चित रूप से एक हलके से दूसरे हलके में स्थानांतरित कर दिया जाए। इसके अलावा वैसे कर्मचारी जिनके विरुद्ध विशिष्ट शिकायतें प्राप्त हुई हों, उन्हें भी प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण किया जा सकता है, भले ही उनकी पदस्थापना अवधि कम हो।

## सोशल मीडिया पर अपलोड न करें कुर्बानी का वीडियो

**महोबा ( हिंस )।** बकरीद को लेकर मंगलवार को जिले के समस्त थानों में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया है। बैठक में खुले में कुर्बानी न करने और सोशल मीडिया में कुर्बानी का वीडियो अपलोड न करने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को जनपद में आगामी बकरीद के त्यौहार को लेकर पीस कमेटी की बैठक का आयोजन पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया है। जिसमें आपसी सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई है। इस दौरान धर्मगुरुओं व क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों को शासन द्वारा निर्गत आदेशों की जानकारी देते हुए त्योहार को परंपरागत ढंग से शांतिपूर्वक एवं सांप्रदायिक सद्भाव के साथ मनाए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

## हथियार से लैस बालू माफियाओं को ग्रामीणों ने जमकर पीटा, एक घायल

**भागलपुर ( हिंस )।** जिले के गोराडीह थाना क्षेत्र के गंगटी गांव के समीप मंगलवार को ग्रामीणों ने बालू माफियाओं को दौड़ा दौड़ा कर पिटाई कर दी। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि कुछ दिन पूर्व बालू माफिया के बीच विवाद हुआ था। विवाद में एक पक्ष से सुशांत कुमार सिंह ने पंकज यादव के अवैध बालू लदे ट्रैक्टर पुलिस को बुलवाकर पकड़वा दिया था। जिसके बाद से सुशांत और पंकज के बीच विवाद शुरू हुआ थी। पंकज यादव आज अपने तीन साथियों के साथ सुशांत कुमार सिंह को मरने के लिए घर से ही उसका पीछा कर रहा था। तभी गंगटी के समीप ग्रामीणों ने पंकज यादव को हथियार के साथ पकड़ लिया ओर चारों तरफ से घेर लिया और दौड़ा-दौड़ा कर उनकी जमकर पिटाई कर दी। दो बदमाश मौका देख फरार हो गया। बताया जा रहा है कि हथियार से लैस पंकज यादव समेत उनके गुर्गे सुशांत सिंह को मरने के लिए पहुंचे हुए थे। सुशांत अपने कार से सवार होकर जगदीशपुर के तरफ आ रहे थे। पंकज यादव को पीछा करते देखा सुशांत ने अपना संतुलन खो

दिया और कार लेकर नदी में घुस गया। जिससे कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची दो थाने की पुलिस ने घायल पंकज यादव को प्रारंभिक इलाज के लिए जगदीशपुर स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने घायल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया है। मामले को लेकर घायल के परिजनो ने बताया कि गांव के ही सुशांत कुमार सिंह ने पंकज यादव को बालू गिराने के लिए कहा था। पंकज यादव ने उसका बालू नहीं गिराया था। जिसको लेकर विवाद हुआ थी। परिजन ने बालू नहीं गिराने पर सुशांत पर अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पुलिस बुलवाकर जब्त करवाने का आरोप लगाया। उधर घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

## जम्मू के रियासी में आतंकी हमले के 40 घंटे बाद भी सर्च ऑपरेशन, हाई अलर्ट

**जम्मू ( हिंस )।** जम्मू संभाग के रियासी में हुए आतंकवादी हमले में शामिल आतंकियों की तलाश में अभियान मंगलवार को दूसरे दिन भी जारी है। पुलिस, एसओजी, सीआरपीएफ, सेना की टीमें तलाशी अभियान में जुटी हुई हैं। इस दौरान सुरक्षा कर्मियों की 11 टीमें बनाई गई हैं। खोजी कुत्तों के साथ ही ड्रोन की मदद से पहाड़ और जंगल का चप्पा-चप्पा खंगाला जा रहा है। रियासी के पोनी-त्रेयाथ बेल्ट के चारों ओर घेराबंदी की गई है। जिले के साथ ही आसपास के जिलों में भी तलाशी अभियान जारी है। पुलिस ने पूछताछ के लिए 20 से अधिक लोगों को उठाया और उनसे पूछताछ की जा रही है। इसी बीच सुरक्षा बलों ने जम्मू और राजौरी जिलों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है और आतंकवादी हमले के बाद से ही तलाशी अभियान जारी है। उधमपुर-रियासी रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक रईस मोहम्मद भट ने कहा कि सुरक्षा बलों को कुछ सुराग मिले हैं। पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की 11 टीमें आतंकवादियों की तलाश में जुटे हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि हमले में घायल हुए लोगों के बयानों के आधार पर इस संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता कि घटनास्थल पर कोई चौथा आतंकवादी भी मौजूद था, जो तीनों आतंकवादियों को निर्देश दे रहा था। सुरक्षा बलों को संदेह है कि पाकिस्तानी आतंकवादी राजौरी और रियासी के पहाड़ी इलाकों में छिपे हुए हैं और उन्होंने क्षेत्र में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। सूत्रों के अनुसार एक स्थानीय ओवरग्राउंड वर्कर समेत चार आतंकवादी इस हमले में शामिल थे। आशंका है कि आतंकवादी सुरक्षित संचार के माध्यम से पाकिस्तान की आईएसआई से निर्देश ले रहे हैं। यह हमला लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अबु हमजा के निर्देश पर किया गया। अधिकारियों ने बताया कि बस में विभिन्न स्थानों पर 11 गोलियों के निशान पाए गए। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) और फोरेंसिक विभाग की टीमों ने हमला स्थल का दौरा किया और मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और आगे की जांच शुरू कर दी है।

## कांग्रेस के झारखंड प्रभारी सहित अन्य नेताओं ने मल्लिकार्जुन खरगे से की मुलाकात

**रांची ( हिंस )।** कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर के नेतृत्व में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर सहित अन्य वरीय नेताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मंगलवार को दिल्ली में मुलाकात की। मुलाकात के दौरान झारखंड के संदर्भ में लोकसभा चुनाव सहित वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों से अवगत कराया। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति के मुताबिक, गुलाम अहमद मीर ने मल्लिकार्जुन खड़गे को लोकसभा चुनाव के संदर्भ में प्रत्येक सीट की परिस्थितियों से अवगत कराते हुए विस्तृत चर्चा की। उन्होंने कहा कि पहले के मुकाबले हमने चुनाव में अच्छा संघर्ष किया लेकिन आशातीत सफलता प्राप्त नहीं कर पाए। हम जीत और हार के कारणों की विस्तृत समीक्षा करेंगे। इसके लिए समीक्षात्मक बैठक 12 जून को बुलाई गई है। इसमें हारी गयी सीटों का निचले से लेकर ऊपर स्तर तक गहनता से समीक्षा की जाएगी। मीर ने कहा कि लोकसभा चुनाव के परिणाम के साथ ही झारखंड में विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए संगठन सक्रिय हो गया है। झारखंड में संगठन की मजबूती के लिए हर प्रयास किया जा रहे हैं और आगामी चुनाव तक संगठन पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रहेगा। राजेश ठाकुर ने कहा कि इस चुनाव में जनता ने हमारा नेतृत्व किया है और हमें सफलता दिलाई है।

आगे भी हम बेहतर परिणाम के लिए संघर्ष करेंगे। झारखंड की जनता पूरी तरह से हमारे साथ है। इन पांच वर्षों में गठबंधन की सरकार ने विपरीत परिस्थितियों के बाद भी जनता के हित में बेहतर फैसले लेकर उनके जीवन स्तर में सुधार का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि हम समय-समय पर घोषणा पत्र की समीक्षा करते रहते हैं ताकि वादों के अनुसार जनहित के फैसलों को लागू करते रहें। ठाकुर ने कहा कि सरना धर्म कोड, ओबीसी आरक्षण, रोजगार, किसानों की ऋण माफी, पुरानी पेंशन व्यवस्था को लागू करने जैसी घोषणाएं हमारी सरकार ने पूरे किए हैं लेकिन कुछ बिलों को केंद्र सरकार के स्तर पर लंबित रखा गया है। इसे लेकर हमारा संघर्ष जारी है और हम झारखंड के नए और गंभीर मुद्दों के साथ जनता के बीच जाएंगे।

## अब साइबर ठग के ठिकाने पर चला बुलडोजर ठगी के रुपयों से बनाई दुकानों को तोड़ा

**भरतपुर ( हिंस )।** राजस्थान में पहली बार हार्डकोर क्रिमिनल्स और गैंगस्टर्स के ठिकानों के बाद साइबर ठगों के ठिकानों पर कार्रवाई गई। सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी के अपराध में लिप्त बदमाशों की धरपकड़ के बाद पुलिस ने उन पर आर्थिक प्रहार करना शुरू कर दिया है। पुलिस ने मंगलवार को प्रशासन की मदद से ढोकला गांव थाना सीकरी में कार्रवाई की। साइबर ठग की ओर से सरकारी जमीन पर बनाई चार दुकानों को बुलडोजर और जेसीबी की सहायता से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई का एक वीडियो आईजी राहुल प्रकाश ने भी जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा कि सेक्सटॉर्शन और साइबर ठगी करने वाले अपराधियों के अड्डे जमींदोंज, मेवात के बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए ये आहुति पुलिस की ओर से। सीओ आशीष प्रजापत ने बताया कि आठ मई को डीग जिला पुलिस ने एक साइबर ठगों की गैंग पकड़ी थी। जांच की गई तो पता लगा कि साइबर ठग साद निवासी बनेनी ढोकला गांव थाना सीकरी ने सरकारी जमीन पर चार दुकानों का निर्माण करवाया हुआ है। दुकान बनाने के लिए जो पैसा उपयोग में लिया है, वह साइबर ठगी का पैसा है। जैसे ही पुलिस को आरोपी साद के बारे में पता लगा तो आज पुलिस जेसीबी लेकर बनेनी ढोकला गांव पहुंची और सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाते हुए दुकानों को धराशायी कर दिया। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस का जाब्ता तैनात रहा। सीओ ने बताया कि डीग पुलिस द्वारा साइबर ठगी की वारदातों को रोकने के लिए ऑपरेशन एंटी वायरस चलाया जा रहा है। इसी ऑपरेशन के दौरान एक साइबर ठगी की गैंग पकड़ी गई थी। जिसमें 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इस गैंग का सरगना साद मोहम्मद निवासी बनेनी ढोकला का रहने वाला है। जांच में यह सामने आया है कि साद मोहम्मद ने साइबर ठगी के पैसे से सरकार जमीन पर दुकानों और मकान का निर्माण करवाया हुआ था, जिसे आज तोड़ा जा रहा है।

## राम कथा के श्रवण से संभव है मानव का कल्याण : साध्वी ऋचा

**नवादा ( हिंस )।** अंतर्राष्ट्रीय कथा वचिका दीदी ऋचा मिश्रा ने नवादा जिले के समाय में मंगलवार को राम कथा वाचन करते हुए कहा है कि राम कथा के श्रवण से ही मानवता का कल्याण संभव है। मंगलवार को द्वितीय दिवस की कथा में रामचरितमानस की उपयोगिता समाज में क्या हैं इस संदर्भ में उन्होंने विवेचना किया। राम चरित्र मानस की राम कथा की जितनी आवश्यकता आज भारत में है उतनी महता शायद अन्य ग्रंथो की नहीं। ग्रंथ बहुत हैं पढ़ने, सुनने और पुण्य प्राप्ति के लिए लेकिन मानवता का पाठ भगवान श्री राम का चरित्र सिखाता हैं। यह ग्रंथ चरित्र की संहिता हैं, दुनिया की हर मां चाहती हैं उसका बेटा राम जैसा हो, हर पत्नी चाहती हैं उसका पति राम जैसा हो, भाई राम जैसा हो यहां तक कि शत्रु भी राम जैसा हो। राम का अर्थ है रा का अर्थ राष्ट्र म का अर्थ मंगल जो राष्ट्र का मंगल करे उसका नाम राम हैं तो राम का चरित्र जीवन में कैसे आए।

## बिहार के बागमती में डूबने से चार बच्चों की मौत, तीन के शव मिले

**पटना ( हिंस )।** बिहार में सीतामढ़ी जिले के सुप्पी प्रखंड के अख्ता गांव में मंगलवार की दोपहर बागमदी नदी में नहाने गए चार बच्चों की डूबने से मौत हो गई। एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों के शवों को नदी से बाहर निकाल लिया है जबकि चौथे बच्चे के शव की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक, चारों बच्चे अन्य साथियों के साथ नदी में नहाने गए थे। नहाने के दौरान दो बच्चे डूबने लगे, जिन्हें बचाने के लिए दो अन्य बच्चे भी गहरे पानी में चले गए। इसी दौरान चारों डूबने लगे। साथियों को बचाने के लिए अन्य बच्चे चिल्लाने लगे। शोरगुल होने पर गांव के सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद ग्रामीणों ने एसडीआरएफ की टीम और थाने को सूचना दी। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इधर, हादसे के बाद घटनास्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक अमित कुमार टुन्ना ने कहा कि पीड़ति परिवारों को सभी तरह की सरकारी सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। फिलहाल, उन्हें निजी कोष से राहत सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है।

# जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटना में मारे गए चारों के शव जयपुर पहुंचने पर लोगों में दिखा भारी आक्रोश

**जयपुर/चौमूं ( हिंस )।** जम्मू-कश्मीर में हुई आतंकी घटना में मारे गए चार लोगों के शव मंगलवार को जयपुर पहुंचते ही लोगों में भारी आक्रोश दिखाई दिया। लोगों ने आतंकवाद, पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे और भारी पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। मुरलीपुरा और चौमूं थाने के बाहर हजारों लोगों ने नारेबाजी की। मृतक आश्रितों को सरकारी नौकरी और एक-एक करोड़ रुपए मुआवजे की मांग को लेकर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए हैं। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने बाजारों को बंद करा दिया। चारों शवों का गमगीन माहौल में गांव में अंतिम संस्कार हुआ। नौ जून को जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं से भरी बस पर आतंकियों ने हमला कर दिया था। गोली ड्राइवर को लगी और बस खाई में गिर गई। हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी और 33 लोग घायल हुए थे। मरने वालों में चार लोग चौमूं स्थित पांच्यावाली ढाणी और मुरलीपुरा (हरमाड़ा) के थे। आतंकी हमले में चौमूं निवासी राजेंद्र सैनी, उनकी पत्नी ममता सैनी की मौत हो गई। इसके साथ ही हरमाड़ा निवासी पवन सैनी की पत्नी पूजा सैनी व उनके दो साल के बेटे लिवांश

की मौत हुई। पवन इस आतंकी घटना में घायल हुए है। प्रदर्शनकारियों ने धरना में शामिल होने पहुंचे भारतीय जनता पार्टी नेता भूपेंद्र सैनी को धक्का मारकर वहां से हटाया। इससे पहले मंगलवार सुबह करीब साढ़े नौ बजे जम्मू-कश्मीर में मारे गए चौमूं (जयपुर) के परिवार के चारों शवों को पूजा एक्सप्रेस से जयपुर लाया गया। यहां से शवों को कार से भिजवाया गया। इसके साथ ही चौमूं थाने की सुरक्षा बढ़ा दी गई और छह थानों की फोर्स बुलाई गई है। इसके अलावा पुलिस लाइन से भी बड़ी संख्या में जवानों को तैनात किया गया है। चौमूं के पांच्यावाली ढाणी से मंगलवार को हजारों की संख्या में लोगों ने रैली निकाली। इस रैली में लोगों में आतंकवाद को लेकर आक्रोश जाहिर किया। यह रैली चौमूं पहुंची। यहां पर भारी संख्या लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। मंगलवार सुबह ट्रेन से चारों मृतकों के शव जयपुर जंक्शन पर पहुंचे। इस दौरान कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित, एडीएम दक्षिण शैफाली कुशवाहा व अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर मौजूद थे। सुबह आठ बजे से ही अधिकारी जंक्शन पर मौजूद थे। पूजा एक्सप्रेस करीब साढ़े नौ बजे जंक्शन पर पहुंची। इस दौरान पूरा माहौल गमगीन हो गया। जब रेस्क्यू करने वाली टीम के कर्मचारी शवों को उतारने के लिए ट्रेन में चढ़े तो मृत बच्चे व अन्य शवों को देखकर उनके हाथ भी कांप उठे। लेकिन फिर मृतक बच्चे व अन्य शवों को उठाया और गाड़ियों में रखा। इस दौरान कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित के साथ पुलिस अधिकारियों की आंखें भी नम हो गई। रेलवे स्टेशन पर इस दौरान भारी भीड़ लग गई। हर किसी के चेहरे पर आतंकियों को लेकर गुस्सा साफ दिख रहा था। अधिकारी हो चाहे कर्मचारी या कोई ओर, सबका यही कहना था कि आखिर इस बच्चे व इन लोगों ने किसी का क्या बिगाड़ा था। जो इन्हें इतनी बेरहमी से मारा गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार घटनाक्रम की मॉनिटरिंग कर रहे है। सीएमओ की ओर से जम्मू कश्मीर व गृह मंत्रालय से इस संबंध में संवाद किया गया था। जिसके बाद सभी शवों को जम्मू कश्मीर प्रशासन की ओर से ट्रेन में रखकर रवाना किया गया। वहीं मुख्यमंत्री अब भी लगातार इस मामले पर नजर रखे हुए है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि यह आतंकी हमला कायराना हरकत है। उन्होंने इस दर्दनाक घटना पर संवेदना जताई है।

# अश्विनी वैष्णव ने संभाली रेल मंत्रालय की कमान, आईआरसीटीसी के शेयर में आई तेजी

**नई दिल्ली।**
मोदी सरकार ने एक बार फिर से देश के रेल मंत्रालय की कमान अश्विनी वैष्णव को सौंपी है। इसका मतलब है कि देश के रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव बन गए हैं। पिछली सरकार में भी अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री थे। अश्विनी वैष्णव के दोबारा रेल मंत्री बन जाने से एक बात साफ हो गई है कि केंद्र सरकार रेलवे सेक्टर में पुराने नीतियों को जारी रखेगी।

दोबारा रेल मंत्री बन जाने के बाद आज रेलवे सेक्टर में तेजी देखने को मिली है। आज रेलवे के सभी शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। रेल विकास निगम, आईआरएफसी सहित बाकी कंपनी के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं।

### इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड शेयर

इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉरपोरेशन लिमिटेड के शेयर आज 2 फीसदी से ज्यादा चढ़कर 177 रुपये प्रति शेयर के आस-पास कारोबार कर रहा है। पिछले एक साल में आईआरएफसी के शेयर ने 435.85 फीसदी का रिटर्न दिया है। इसे ऐसे समझिए कि 12 जून 2023 को आईआरएफसी के प्रति शेयर की कीमत 33.05 रुपये थी जो आज 177 रुपये हो गई।

### रेल विकास निगम लिमिटेड शेयर

रेल विकास निगम लिमिटेड के शेयर बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। सुबह के कारोबार में कंपनी के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए। अब आरवीएनएल के शेयर की कीमत 388 रुपये रुपये हो गई है। पिछले 1 महीने में कंपनी के शेयर ने 51.91 फीसदी का रिटर्न दिया है।

रेलवे सेक्टर की स्टॉक भी आज तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। आज कंपनी के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा चढ़ गए हैं। इरकॉन इंटरनेशनल के एक स्टॉक की कीमत 266 रुपये हो गई है। पिछले 6 महीने में कंपनी के शेयर ने 63.10 फीसदी का रिटर्न दिया है।

### तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड शेर

तीतरगढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड के शेयर आज सुबह 1347.95 रुपये पर खुले थे। इसके बाद कंपनी के शेयर में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई और शेयर का भाव 1,352 रुपये पहुंच गया।

## न्यूज ब्रीफ

### बजाज ऑटो का सबसे सस्ता ई-स्कूटर चेतक 2901 लांच, बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों की नजरें भी बाजार पर टिकी

**नई दिल्ली।** पिछले कुछ महीनों में कई बड़ी वाहन कंपनियों ने कम कीमत वाले ई-स्कूटर बाजार में दस्तक दी है। इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में बजाज ऑटो जैसी बड़ी कंपनियां आने से होड़ बढ़ने के आसार हैं। बजाज ऑटो ने आज किफायती कीमत पर अपना सबसे सस्ता ई-स्कूटर चेतक 2901 बाजार में उतार दिया। बड़ी दोपहिया वाहन कंपनियों की नजर अब 1 लाख रुपये से कम कीमत वाले ई- स्कूटर बाजार पर टिक गई है और इसमें उनकी बाजार हिस्सेदारी भी काफी बेहतर हो चुकी है। किफायती ई-स्कूटर का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा बढ़ी कंपनियों के पास है। साल भर पहले उनके पास 50-60 प्रतिशत बाजार ही था। चेतक 2901 की कीमत 95,998 रुपये से शुरू होती है। इसमें 2.8 केडब्ल्यूएच की बैटरी है, जिससे स्कूटर अधिकतम 63केएमपीएच की रफ्तार के साथ 123 किमी तक दौड़ सकता है। कंपनी के ही अन्य मॉडलों चेतक अर्बन (2.9 किलोवॉट) की कीमत 1.23 लाख रुपये से और चेतक प्रीमियम (3.2 किलोवॉट) की कीमत 1.47 लाख रुपये से शुरू होती है। ओला और टीवीएस जैसी कंपनियों के पास बजाज जैसी कंपनी के उत्पादों को टक्कर देने वाली कीमत के स्कूटर हैं। ओला ने हाल ही में एस 1 एक्स (4) केडब्ल्यूएच की कीमत घटाकर 70,000 रुपये कर दी थी। इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माताओं के संगठन एसएमईवी के आंकड़ों के अनुसार इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार में बजाज ऑटो की हिस्सेदारी 13प्रतिशत है, जबकि ऐथर की बाजार हिस्सेदारी 8प्रतिशत, टीवीएस की बाजार हिस्सेदारी 15 प्रतिशत और इस बाजार की अग्रणी कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी है। बजाज ऑटो के अध्यक्ष एरिक वास ने कहा कि डीलरों के पास चेतक 2901 पहुंचने लगा है। उन्होंने कहा, चेतक 2901 को इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि वह पेट्रोल से चलने वाले स्कूटर छोड़तर ई-स्कूटर खरीदें। इसकी कीमत भी कम रखी गई है। धातु की बॉडी के साथ यह ऊंचे कद का स्कूटर है, जिससे ग्राहकों की जेब पर ज्यादा बोझ नहीं पड़ेगा। इसकी कीमत भी उसी हिसाब से रखी गई है।

### टाटा मोटर्स ने लांच की अल्ट्रोज़ रेसर

**नई दिल्ली।** स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने अल्ट्रोज़ रेसर को भारत में 9.49 लाख रुपए की कीमत पर उतार दिया है। यह हैचबैक का अब तक का सबसे स्पोर्टी एडिशन है। इसकी कीमत 10.99 लाख रुपये तक जाती है। स्पोर्टियर हैचबैक में कुछ एक्सटीरियर अपडेट्स भी दिए हैं। इसमें फ्रंट फेंडर पर रेसर बैजिंग और थोड़ा संशोधित ग्रिल भी है, लेकिन 16 इंच के अलॉय व्हील अपरिवर्तित हैं। इसमें कुल तीन कलर ऑप्शन- एटॉमिक ऑरेंज, एवेन्यू व्हाइट और प्योर ग्रे मिलते हैं। इंटीरियर की बात करें तो इसमें बड़ी 10.25-इंच की टचस्क्रीन, नए, स्मूथ नए ऑपरेटिंग सिस्टम के साथ-साथ एक नए 7.0-इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दिया है। सेगमेंट की पहली हवादार फ्रंट सीटें, 360-डिग्री कैमरा और वॉयस-असिस्टेड सनरूफ मिलेगी। स्टैंडर्ड तौर पर 6 एयरबैग और ईएससी भी दिए हैं।

### सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर, चांदी 200 रुपये बढ़कर 92100 पहुंची

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहा। हालांकि, चांदी की कीमत 200 रुपये बढ़कर 92,100 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। पिछले सत्र में यह 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक-जिंस सौमिल गांधी ने कहा कि सोने में सपाट कारोबार हुआ, जबकि सोने में 3.45 फीसदी की गिरावट आई थी जो अगस्त, 2021 के बाद सबसे अधिक है। कहा कि दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की कीमतें पिछले बंद से अपरिवर्तित रहकर 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर स्थिर रहीं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतों में पिछले बंद भाव से एक डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

# ब्रिक्स देशों के व्यापार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर, नया कोटा फॉर्मूला अपनाने का भी आह्वान

**मॉस्को।**
ब्रिक्स देशों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही इन देशों ने नियम आधारित खुले एवं पारदर्शी वैश्विक व्यापार के लिए प्रतिबद्धता जताई।

**ब्रिक्स की एक बैठक हुई** - बता दें, रूस के निजनी नोवगोरोड में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की एक बैठक हुई। इस दौरान ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार और वित्तीय लेनदेन में स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ाने सहित कई मुद्दों पर चर्चाएं हुईं। बैठक में मंत्रियों ने माना कि वैश्विक वित्तीय संरचना के सुधार की आवश्यकता है।

**नेताओं को रिपोर्ट करने का काम** - संयुक्त बयान के अनुसार, उन्होंने जोहानिसबर्ग द्वितीय घोषणापत्र के पैराग्राफ 45 का जिक्र किया, जिसमें ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों को स्थानीय मुद्राओं, भुगतान उपकरणों और मंचों के मुद्दे पर विचार करने और ब्रिक्स नेताओं को रिपोर्ट करने का काम सौंपा गया है।

**इन मांगों को भी दोहराया** - इसके अलावा, विदेश मंत्रियों ने सीओपी27 में की गई मांग को दोहराया कि यह गारंटी दी जाए कि अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थान सुधार में वित्तपोषण के दायरे का विस्तार करने और संसाधनों तक आसान पहुंच को सुविधाजनक बनाने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने अनुमान लगाया कि 2025 इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट शेयरधारक समीक्षा एक बड़ी सफलता होगी।

**नया कोटा फॉर्मूला अपनाने पर जोर** - विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के ब्रिक्स मंत्रियों की बैठक के अंत में जारी एक संयुक्त बयान में एक मजबूत वैश्विक वित्तीय सुरक्षा आवरण पर भी जोर दिया गया, जिसके केंद्र में कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधनों वाला अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) हो। बयान के मुताबिक कोटा की सामान्य समीक्षा के तहत आईएमएफ व्यवस्था की सुधार की प्रक्रिया को जारी रखने का आह्वान किया। इसमें नया कोटा फॉर्मूला अपनाने की बात भी कही गई। वहीं रूस के विदेश मंत्री का कहना है कि उभरती राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं के समूह ब्रिक्स ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार और राष्ट्रीय मुद्राओं में व्यापार के लिए एक मंच विकसित करने पर सक्रिय रूप से काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी परिकल्पना 2023 में जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन में की गई थी।

**कौन-कौन से देश सदस्य** - ब्रिक्स, जो ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का संक्षिप्त रूप है, एक अनौपचारिक साझेदारी है जो सदस्य देशों के बीच सहयोग और संचार को बढ़ावा देती है। ब्रिक्स देशों के बीच कोई औपचारिक या कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता नहीं है। ब्रिक्स शब्द जिम ओनील द्वारा बनाया गया था, जिन्होंने उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था के भीतर इन देशों की क्षमता पर जोर देने के लिए इस शब्द का प्रयोग किया था। जब ओनील ने बिल्डिंग बेटर ग्लोबल इकोनॉमिक ब्रिक्स शीर्षक से अपना पेपर प्रकाशित किया, तो उनका मानना था कि ये देश, अपने आर्थिक विकास, संसाधनों और बढ़ती आबादी के कारण, 21वीं सदी के भीतर आर्थिक महाशक्ति बन जाएंगे।

# ह्युंदै मोटर की आईपीओ के जरिए 30 हजार करोड़ जुटाने की योजना

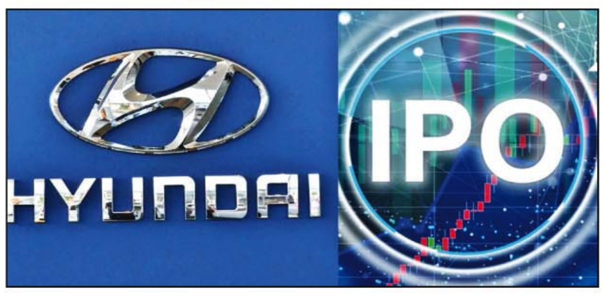


**नई दिल्ली।**
ह्युंदै मोटर इंडिया पहली बार भारतीय शेयर बाजार में फिर से धमाल मचाने वाली है। दो दशक से भी ज्यादा समय के बाद साउथ कोरिया की कंपनी ह्युंडै मोटर की भारतीय कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया लिमिटेड आईपीओ लाने की तैयारी कर रह है।

माना जा रहा है कि अगर ह्युंदै भारत में आईपीओ लाती है तो यह अब तक का सबसे बड़ा आईपीओ होगा क्योंकि ऑटो कंपनी की योजना आईपीओ के जरिये 25,000 करोड़ से 30,000 करोड़ रुपये जुटाने की है। इससे पहले सिर्फ पीएसयू कंपनी एलआईसी ने 21,000 करोड़ रुपये आईपीओ के जरिये जुटाए थे।

एक रिपोर्ट के मुताबिक ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी ह्युंदै मोटर इंडिया अगले दो सप्ताह के भीतर ही मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास डायरेक्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स (डीआरएचपी) फाइल कर सकती है और इसी के साथ अब तक के सबसे बड़े आईपीओ आने की प्रक्रिया की भी शुरुआत हो जाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डीआरएचपी फाइल करने के बाद अगले महीने ऑटो कंपनी भारत और विदेशों में इन्वेस्टर रोड शो भी आयोजित कर सकती है।

ह्युंदै मोटर इंडिया ने आईपीओ के लिए एडवाइजर के तौर पर सिटीबैंक कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टैनली, एचएसबीसी और जेपी मॉर्गन को चुना है। ये इन्वेस्टमेंट बैंक ह्युंदै मोटर इंडिया को आईपीओ लाने में मदद करेंगे। अगर कंपनी डीआरएचपी फाइल करती है तो अगले 60 से 90 दिनों में सेबी की तरफ से अप्रूवल मिल सकता है। यानी अधिकतम सितंबर तक मार्केट रेगुलेटर की तरफ से आईपीओ लाने के लिए मंजूरी मिलने की संभावना है।

इसके बाद ह्युंदै मोटर इंडिया सितंबर या अक्टूबर 2024 में आईपीओ ला सकती है और शेयर मार्केट में लिस्ट हो सकती है। अगर सेबी की तरफ से मंजूरी मिल गई को 2003 के बाद किसी भी ऑटो कंपनी की शेयर बाजार में एंट्री हो जाएगी। बता दें कि 12 जून 2003 को भारत की सबसे बड़ी कारमेकर कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया 993.35 करोड़ रुपये का आईपीओ लेकर आई थी।

# मई में पांच माह के शीर्ष पर पहुंच सकती है खुदरा महंगाई गर्मी से खाने-पीने की चीजों के बढ़े दाम

**नई दिल्ली।**
खाने-पीने की वस्तुओं और खासकर फल-सब्जियों की कीमतों में वृद्धि से खुदरा महंगाई मई, 2024 में एक बार फिर बढ़कर 5.14 फीसदी पर पहुंच सकती है। अगर ऐसा हुआ तो यह दिसंबर, 2023 के बाद इसका पांच महीने का उच्च स्तर होगा। उस समय खुदरा महंगाई 5.69 फीसदी रही थी। अप्रैल में यह घटकर 11 महीने के निचले स्तर 4.83 फीसदी पर आ गई थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, देश के कई हिस्सों में बढ़ते तापमान ने सब्जियों और फलों की फसल को प्रभावित किया है। इससे खाद्य महंगाई मई में बढ़कर 9.1 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है, जो अप्रैल में 8.7 फीसदी रही थी। इसका असर कुल महंगाई पर देखने को मिल सकता है। सरकार खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी कर सकती है। मुख्य महंगाई (खाद्य औ ऊर्जा को छोड़कर) भी 3.3 फीसदी से बढ़कर मई में 3.5 फीसदी पहुंच सकती है। फलों-सब्जियों की कीमतों में वृद्धि सीएमआईई

के मुताबिक, फलों और सब्जियों की महंगाई दर में करीब दो फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इससे मई में फलों की महंगाई अप्रैल के 3.5 फीसदी से बढ़कर 5.5 फीसदी पहुंच सकती है। क्रमिक रूप से फलों की कीमतें पिछले महीने 2.5 फीसदी बढ़ी हैं। सब्जियों की महंगाई दर भी मई में बढ़कर 30 फीसदी के आसपास पहुंच सकती है, जो अप्रैल में 27.7 फीसदी रही थी। पिछले महीने सब्जियों के दाम मासिक आधार पर 5.2 फीसदी बढ़े हैं। आलू, फूलगोभी और पत्तागोभी की कीमतों में भी मासिक आधार पर भारी वृद्धि देखने को मिली है।

# रियलमी जीटी नियो 5 फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ लॉन्च 10 मिनट से भी कम समय में बैटरी हो जाती है फुल

**नई दिल्ली।**
चाइनीज कंपनी रियलमी जीटी नियो 5 को पिछले साल फरवरी में 240वॉट तक फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ लॉन्च किया गया था। फोन को लेकर दावा किया जाता है कि ये फास्ट-चार्जिंग 10 मिनट से भी कम समय में बैटरी को 0 से 100प्रतिशत तक फुल कर देती है। अब रियलमी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि वह आने वाले फोन मॉडलों के लिए 300वॉट चार्जिंग पर काम कर रहा है। दूसरी तरफ बता दें कि शाओमी ने पिछले साल ही अपनी 300वॉट फास्ट चार्जिंग टेक्नोलॉजी की पेशकश की थी। रियलमी यूरोप के सीईओ और ग्लोबल मार्केटिंग डायरेक्टर फ्रांसिस वोंग ने कंफर्म किया है कि रियलमी 300वॉट चार्जिंग की टेस्टिंग कर कर रहा है रेडमी ने पिछले साल फरवरी में 4,100 एमएएच बैटरी के साथ मॉडिफाइड रेडमी नोट 12 डिस्कवरी एडिशन स्मार्टफोन का इस्तेमाल करके 300 वॉट चार्जिंग का प्रदर्शन किया था। ये चार्जिंग टेक्नोलॉजी पांच मिनट से भी कम समय में बैटरी फुल करने में कामयाब रही। बता दें कि

कंपनी ने अभी तक 300वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट वाला हैंडसेट लॉन्च नहीं किया है। रियलमी पहले से ही रियलमी जीटी नियो 5 में 240वॉट चार्जिंग देता है, जिसके बारे में दावा किया गया है कि 4,600 एमएएच की बैटरी 80 सेकेंड में 0 से 20प्रतिशत, चार मिनट में 0 से 50प्रतिशत और 10 मिनट से कम समय में 0 से 100प्रतिशत चार्ज हो जाती है। 30 सेकेंड का चार्जिंग समय दो घंटे तक का टॉक टाइम देने का दावा किया गया है। अब देखना ये है कि कंपनी कौन सा नया फोन लॉन्च करती है, जिसमें 300वॉट की चार्जिंग दी जाएगी। मालूम हो कि फोन बनाने वाली कंपनियां बैटरी और कैमरे में तेजी से डेवलपमेंट ला रही हैं।

# मस्क ने एपल-ओपनएआई पार्टनरशिप का विरोध किया: कहा- इससे पर्सनल डाटा सेफ नहीं रहेगा, ऐसा हुआ तो ऑफिस में बैन करेंगे एपल के प्रोडक्ट

**नई दिल्ली।**
दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क ने एपल की ओपनएआई के साथ पार्टनरशिप का विरोध किया है। मस्क ने इसे लेकर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग पर लिखा- अगर ऐसा होता है तो वह अपनी कंपनी में एपल के प्रोडक्ट इस्तेमाल करने पर रोक लगा देंगे।

एपल ने आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को अपनी डिवाइस में और बेहतर करने के लिए चैटजीपीटी बनाने वाली कंपनी ओपनएआई के साथ पार्टनरशिप का ऐलान किया है। कंपनी के इस फैसले से लोगों को डर है इससे उनका पर्सनल डाटा सेफ नहीं रहेगा। मस्क ऑफिस में बैन करेंगे एपल के प्रोडक्ट मस्क ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर

लिखा की अगर एपल ऑपरेटिंग सिस्टम लेवल पर ओपनएआई को इंट्रीग्रेट करता है तो तो मेरी कंपनियों में एपल के डिवाइस बैन किए जाएंगे। यह एक अनएक्सेप्टेबल सिक्योरिटी वायलेंस है। वहीं उन्होंने लिखा कि कंपनी में आने वाले विजिटर्स के पास अगर एपल का डिवाइस है तो एंट्री गेट पर ही डिवाइस की जांच की जाएगी। इसके अलावा डिवाइस को वहीं जमा करा लिया जाएगा। एक अन्य पोस्ट में मस्क ने एपल पर तंज कसते हुए लिखा कि यह स्पष्ट रूप से बेतुका है कि एपल इतना स्मार्ट नहीं है कि वह अपना खुद का एआई बना सके, और इसके बाद भी वह कह रहा है कि आपकी सुरक्षा और गोपनीयता की रक्षा करेगा! एपल को इस बात का कोई अंदाजा नहीं है कि ओपनएआई को आपका डेटा सौंपने के बाद वास्तव में क्या हो रहा है। वे आपको खतरे में डाल रहे हैं।

### सिक्योरिटी और सेफ्टी के लिए जाना जाता है एपल

एपल के पास प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए खास आर्किटेक्चर हैं। वो डेटा सिक्योरिटी को लेकर समझौता नहीं करती। 2016 में आतंकी सैयद फारूख के पास से एफबीआई को आईफोन मिला था। इसे अनलॉक करने के लिए एजेंसी ने एपल से मदद मांगी, लेकिन एपल ने मना कर दिया था। फेसटाइम जैसी एपल सर्विसेज आपके फोन से आने-जाने वाले डेटा और एपल के सर्वर पर संग्रहीत डेटा की सुरक्षा के लिए एन्क्रिप्शन इस्तेमाल करती हैं। कोई बग आने पर एपल बिना किसी इंटरफेरेंस के तुरंत सॉफ्टवेयर अपडेट देती है। एपल के डिवाइसेस में वायरस के खतरे की संभावना बहुत कम होती है। इसके सॉफ्टवेयर को इस तरह से लिखा जाता है कि अटैकर्स आसानी से सिस्टम पर अटैक नहीं कर सकते।

### जेएसडब्ल्यू की राजस्थान में एक जीडब्ल्यूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण परियोजना शुरू

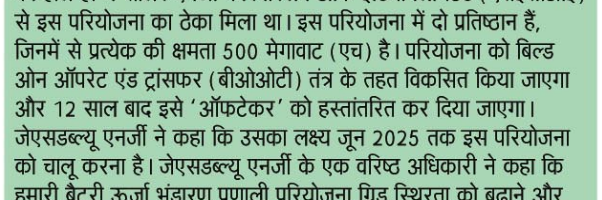


**नई दिल्ली।** जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने राजस्थान के फतेहगढ़ में एक जीडब्ल्यूएच क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना का निर्माण शुरू कर दिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि कंपनी को हाल ही में सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) से इस परियोजना का ठेका मिला था। इस परियोजना में दो प्रतिष्ठान हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 500 मेगावाट (एच) है। परियोजना को बिल्ड ओन ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओओटी) तंत्र के तहत विकसित किया जाएगा और 12 साल बाद इसे 'ऑफटेकर' को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि उसका लक्ष्य जून 2025 तक इस परियोजना को चालू करना है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारी बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली परियोजना ग्रिड स्थिरता को बढ़ाने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को एकीकृत करने में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।

# नेपाल के लिए अंतिम दो लीग मैच खेलेंगे लामिछाने

**नई दिल्ली।**
**नेपाल के स्पिनर संदीप लामिछाने टी20 विश्व कप में टीम के अंतिम दो ग्रुप चरण मैचों के लिए वेस्टइंडीज में टीम से जुड़ेंगे। देश के क्रिकेट बोर्ड ने यह जानकारी दी। संदीप लामिछाने पिछले महीने दो बार देश के क्रिकेट बोर्ड और कई एजेंसियों के प्रयासों के बावजूद अमेरिकी वीजा प्राप्त करने में सफल नहीं रहे।**

हालांकि, नेपाल ने आईसीसी से अनुरोध किया था कि वह लामिछाने को अपने विश्व कप टीम में देर से शामिल करने की अनुमति दे, जिसे आईसीसी ने स्वीकार कर लिया है।

ईएसपीएनक्रिकइंफो को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल ने बताया है कि बोर्ड ने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से लामिछाने को नेपाल के विश्व कप दल में जोड़े जाने की अपील की थी जिसे आईसीसी ने स्वीकार कर लिया है।

नेपाल को 15 और 17 जून को सेंट विंसेंट में दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश के साथ खेलना है। लामिछाने कैरेबियन में ग्रुप डी के दोनों मैचों के लिए चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे।

टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में नेपाल को पिछले सप्ताह डलास में नीदरलैंड से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था और अब वह 11 जून को फ्लोरिडा में श्रीलंका से भिड़ेगा।

हालांकि लामिछाने 9 जून को ही वेस्टइंडीज़ पहुंच गए थे और उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट भी किया था कि वह अंतिम दो लीग मैच के लिए अपने राष्ट्रीय दल के साथ जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने सीएएन अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

नेपाल के सबसे हाई प्रोफ़ाइल क्रिकेटर लामिछाने को अक्टूबर 2022 में एक 18 वर्षीय महिला के साथ दुष्कर्म के आरोप में हिरासत में लिया गया था।

जनवरी 2024 में उन्हें इस मामले में दोषी करार दिया गया लेकिन मई महीने में उच्च न्यायालय ने लामिछाने को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया। सीएएन ने तत्काल प्रभाव से उन्हें क्रिकेट खेलने की अनुमति प्रदान कर दी। सीएएन को उम्मीद थी कि लामिछाने टी20 विश्व कप दल में हिस्सा लेंगे लेकिन वीजा न मिल पाने के चलते वह शुरुआत में इस टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं बन पाए। नेपाल के लिए 52 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में स्पिनर ने 12.58 की औसत और 6.29 की इकॉनमी से 98 विकेट लिए हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने टेनिस में हासिल किया पेरिस ओलंपिक का कोटा

**नई दिल्ली ।** भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और सुमित नागल ने क्रमशः युगल और एकल में अपनी एटीपी रैंकिंग के जरिए पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए कोटा हासिल कर लिया है । विश्व के वर्ल्ड नंबर-4 रोहन बोपन्ना ने लंदन 2012 और रियो 2016 ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया था. उन्होंने पिछले साल नवंबर से युगल रैंकिंग में शीर्ष 10 में अपना स्थान बनाए रखते हुए भारत के लिए कोटा हासिल किया. पिछले सप्ताह एकल रैंकिंग में 18 स्थान की बढ़त के साथ सुमित नागल ने कट-ऑफ में जगह बनाई, जो विश्व रैंकिंग के माध्यम से कोटा हासिल करने वाले खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर है. पिछले सप्ताह 95वें स्थान पर रहे सुमित नागल ने रविवार को जर्मनी में हीलब्रॉन नेकरकप में एटीपी चैलेंजर खिताब जीतने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च 77वीं रैंकिंग हासिल की। हालांकि, नागल रैंकिंग में 77वें स्थान पर हैं, लेकिन वह विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा प्राप्त करने वाले योग्य खिलाड़ियों में अंतिम स्थान पर हैं. पेरिस 2024 में पुरुष और महिला एकल स्पर्धाओं में 64-64 खिलाड़ी भाग लेंगे. 10 जून को जारी एटीपी रैंकिंग के अनुसार, टॉप-56 पुरुष एकल खिलाड़ियों ने अपने-अपने देशों के लिए कोटा हासिल कर लिया है. हालांकि, प्रत्येक देश अधिकतम चार कोटा हासिल कर सकता है. पेरिस 2024 में पुरुष और महिला युगल ड्रॉ में 3 टीमें शामिल होंगी, जिसमें एक टीम एक ही देश के एथलीटों की जोड़ी होगी।

### यानिक सिनर एटीपी रैंकिंग में जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष पर, ज्वेरेव चौथे स्थान पर

**पेरिस ।** इटली के यानिक सिनर ने जारी एटीपी रैंकिंग में चोटिल नोवाक जोकोविच को हटाकर पहली बार शीर्ष स्थान हासिल किया। सिनर एक पायदान के फायदे से पहले नंबर पर पहुंचे। इस तरह 22 साल के सिनर 1973 में शुरू हुई कम्प्यूटरीकृत रैंकिंग के बाद पहले नंबर पर काबिज होने वाले इटली के पहले खिलाड़ी हैं। उन्हें एक जुलाई से शुरू होने वाले विम्बलडन में शीर्ष वरीयता मिलेगी। सिनर ने इस सत्र में तीन खिताब जीते जिसमें जनवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन में पहला ग्रैंडस्लैम खिताब भी शामिल है। कार्लोस अल्काराज तीसरे ग्रैंडस्लैम की बदौलत रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे जबकि जोकोविच तीसरे और एलेक्जैंडर ज्वेरेव चौथे स्थान पर हैं। अल्काराज ने ज्वेरेव को हराकर फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। महिलाओं के वर्ग में इगा स्वियातेक रोलां गैरों पर लगातार तीसरी ट्राफी (पांच मेजर खिताब) की बदौलत डब्ल्यूटीए रैंकिंग में पहले स्थान पर अपनी बढ़त बढ़ाने में सफल रहीं। अमेरिका की 20 वर्षीय कोको गॉफ तीसरे नंबर से दूसरे नंबर पर पहुंची जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। वह फ्रेंच ओपन एकल के सेमीफाइनल में पहुंची लेकिन स्वियातेक से हार गयीं। गॉफ ने कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर पहला ग्रैंडस्लैम युगल खिताब अपने नाम किया। दो बार की आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन आर्यना सबालेंका दूसरे से तीसरे स्थान पर खिसक गयीं। 2022 विम्बलडन विजेता एलीना रिबाकिना चौथे स्थान पर हैं।

### ओलंपिक के लिए सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को मिला प्रवेश

**नई दिल्ली ।** आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए तक सात बैडमिंटन खिलाड़ियों को क्वालीफाइंग टिकट मिला है। इसमें पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और लक्ष्य सेन जैसे शीर्ष खिलाड़ी शामिल हैं। सिंधु , प्रणय और लक्ष्य ने पहले ही ओलंपिक में जगह पक्की कर ली थी पर अंतर्राष्टीय बैडमिंटन महासंघ ने तय कट ऑफ तारीख के बाद आधिकारिक तौर पर अब इनके क्वालीफाई करने की पुष्टि की है। ओलंपिक खेल के नियमों के अनुसार कट ऑफ तारीख पर ही क्वालिफिकेशन रैंकिंग के आधार पर पुरुष और महिला एकल से शीर्ष 16 खिलाड़ी ओलंपिक के लिए क्वॉलिफाई करते हैं। इसमें सिंधु 12वें स्थान पर रहीं जबकि पुरुष एकल में प्रणय और लक्ष्य क्रमशः नौवें और 13वें स्थान पर रहे। वहीं पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ओलंपिक क्वालीफिकेशन चक्र के अंत में तीसरे स्थान पर रही और इस प्रकार उसे भी ओलंपिक टिकट मिला है जबकि महिला युगल में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन च्रक के अंत में 13वें स्थान पर रहकर क्वालीफाई किया है।

# दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को लो स्कोरिंग मैच में हराकर किया शर्मसार, टीम इंडिया का तोड़ डाला बड़ा रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।**

दक्षिण अफ्रीका ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 20वें मैच में बांग्लादेश को 4 रन से मात देकर इतिहास रच दिया। न्यूयॉर्क में खेले गए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करके 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 113 रन बनाए। जवाब में बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 109 रन बना सकी। एडेन मार्करम के नेतृत्व वाली दक्षिण अफ्रीका ने इस जीत के साथ ही भारतीय टीम का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने वाली टीम बन गई है। दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को 114 रन बनाने से रोका। प्रोटियाज टीम ने भारत का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने एक दिन पहले न्यूयॉर्क में ही पाकिस्तान के खिलाफ 120 रन की रक्षा की थी। भारतीय टीम ने चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को छह रन से मात दी थी। वैसे, टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे कम स्कोर की रक्षा करने में श्रीलंकाई टीम भी शामिल है। 2014 में न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रीलंका ने भी 120 रन के स्कोर को डिफेंड किया था। मगर अब सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के नाम हो गया है।

### टी20 वर्ल्ड कप में सबसे कम स्कोर को डिफेंड करने वाली टीमें

- 114 - दक्षिण अफ्रीका बनाम बांग्लादेश, 2024*
- 120 - भारत बनाम पाकिस्तान, 2024
- 120 - श्रीलंका बनाम न्यूजीलैंड, 2014

**दक्षिण अफ्रीका इकलौती ऐसी टीम** - दक्षिण अफ्रीका ने इस मैच को जीतकर एक और खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। दक्षिण अफ्रीका टी20 वर्ल्ड कप इतिहास की ऐसी इकलौती टीम है, जिसने 1 रन, 2 रन, 3 रन और चार रन के अंतर से मैच जीते हैं। प्रोटियाज टीम के अलावा टी20 वर्ल्ड कप में ऐसा कारनामा कोई और टीम नहीं कर सकी है। दक्षिण अफ्रीका ने 2009 में न्यूजीलैंड को 1 रन, 2014 में न्यूजीलैंड को 2 रन, 2014 में इंग्लैंड को 3 रन और अब बांग्लादेश को 4 रन से मात देकर अनोखा रिकॉर्ड अपने नाम किया।

**दक्षिण अफ्रीका का दबदबा बरकरार** - दक्षिण अफ्रीका ने बांग्लादेश को लो स्कोरिंग मैच में मात देकर अपना दबदबा बरकरार रखा है। दक्षिण अफ्रीका की टीम टी20 वर्ल्ड कप में अब तक कभी भी बांग्लादेश से हारी नहीं है। प्रोटियाज का टी20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ रिकॉर्ड 9-0 से एकतरफा है। बांग्लादेश के पास जीत दर्ज करके इतिहास रचने का गोल्डन चांस था, जिसे उसने मिस कर दिया।

### गुलवीर सिंह ने पोर्टलैंड प्रतियोगिता में 5000 मीटर का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

**पोर्टलैंड (अमेरिका) ।** एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने यहां 'पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल हाई परफोरमेंस' प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहकर पुरुषों की 5,000 मीटर स्पर्धा का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 'पॉल बंटा मेमोरियल रेस' में हिस्सा लेते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 वर्षीय एथलीट गुलवीर ने 13: 18.92 सेकेंड का समय निकाला जो अविनाश साबले के पिछले साल लास एंजिल्स में बनाये गये 13: 19.30 सेकेंड के समय के राष्ट्रीय रिकॉर्ड से बेहतर रहा। अब गुलवीर के नाम 10,000 मीटर और 5,000 मीटर दोनों रेस का राष्टीय रिकॉर्ड है। उन्होंने पिछले साल हांग्झोउ एशियाड में 28.17.21 सेकेंड के समय से 10,000 मीटर स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था।अमेरिका के डिलन जैकब्स ने 13: 18.18 सेकेंड के समय से स्वर्ण पदक जीता। भारत के कार्तिक कुमार (13: 41.07) 17वें स्थान पर रहे जबकि साबले (13: 20.37) रेस पूरी नहीं कर सके। पुरुषों की 5,000 मीटर हाई परफोरमेंस स्पर्धा में अभिषेक पाल 13: 41.57 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहे। 'पोर्टलैंड ट्रैक फेस्टिवल' अमेरिका की प्रमुख ट्रैक प्रतियोगिताओं में से एक है ।

# आईओए का बड़ा फैसला, ओलंपिक जाने वाले पहलवानों को देगा सहयोग, विनेश की मांग भी स्वीकारी

**नई दिल्ली ।**

ओलंपिक जाने वाले देश के छह पहलवानों को सहायता देने पर भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने बड़ा बयान जारी किया है। बताया जा रहा है कि संघ पहलवानों की मदद करेगा। इसके अलावा राष्ट्रीय ओलंपिक समिति और डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) ने शीर्ष पहलवान विनेश फोगाट की ट्रेनिंग के लिए और अधिक मदद के अनुरोध को भी स्वीकार कर लिया है। छह भारतीय पहलवानों में महिला वर्ग में विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) तथा पुरुष वर्ग में अमन सहरावत (57 किग्रा) ने पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया है। आईओए अध्यक्ष पीटी ऊषा ने जारी एक बयान में कहा कि इस कदम का उद्देश्य पहलवानों के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हमारे पहलवानों को सर्वश्रेष्ठ संसाधन की मदद मिले जिससे वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। यह फैसला हमारी ऐसे माहौल को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है जिसमें खिलाड़ी आगे बढ़ सकें। आईओए और डब्ल्यूएफआई पहलवानों के लिए ओलंपिक तक एक ऐसी सहयोगी टीम बनाने की योजना बना रहे हैं जिसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, पोषण विशेषज्ञ, मेंटल कंडिशनिंग कोच और अन्य जरूरी स्टाफ शामिल हों। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश को पेरिस ओलंपिक की ट्रेनिंग के लिए और सहयोगी स्टाफ मुहैया कराया जायेगा। उन्होंने कहा, हम सुनिश्चित करेंगे कि विनेश और हमारे अन्य सभी पहलवानों को अच्छा प्रदर्शन करने और भारत का तिरंगा ऊंचा रखने के लिए जरूरी सहयोगी स्टाफ मिले।

# भारत से मुंह की खाने के बाद पीसीबी बौखलाया बाबर एंड टीम के खिलाफ बड़े एक्शन की तैयारी

**कराची।**

पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने भारत से मिली हार के बाद कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि बाबर आजम की अगुआई वाली टीम में आमूलचूल बदलाव करने की आवश्यकता है। मोहसिन ने कहा, पहले मुझे लगता था कि मैच जीतने के लिए टीम में कुछ बदलाव करने की जरूरत है लेकिन अब लगता है कि टीम में आमूलचूल बदलाव करने होंगे। हमने जिस तरह से अमेरिका और अब भारत के विरुद्ध मैच गंवाए, वह बेहद निराशाजनक है। उन्होंने आगे कहा, हमें अब उन खिलाड़ियों पर गौर करना होगा जो इस समय टीम में नहीं हैं। हर कोई पूछ रहा है कि टीम अच्छा प्रदर्शन क्यों नहीं कर रही है। अभी विश्व कप चल रहा है, लेकिन निश्चित तौर पर हमें हर चीज पर गौर करने की आवश्यकता है। पता हो कि न्यूयॉर्क के नसाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत ने पाकिस्तान को 6 रन से मात दी। टी20 वर्ल्ड कप 2024 के 19वें मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी की और पूरी टीम 19 ओवर में 119 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 113 रन बना सकी। पाकिस्तान की यह मौजूदा टूर्नामेंट में लगातार दूसरी शिकस्त रही। भारत से पहले पहले उसे मेजबान अमेरिका के हाथों सुपर ओवर में शिकस्त सहनी पड़ी थी।

# अब मार्च में आमने-सामने होंगी भारत और पाक की क्रिकेट टीमें

**मुम्बई।**

**टी20 विश्वकप क्रिकेट में न्यूयार्क में हुए मुकाबले में भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ छह रनों से रोमांचक जीत दर्ज कर अपना दबदबा बनाये रखा है। दोनो ही टीमों के बीच अब तक हुए आठ में से सात मुकाबले भारतीय टीम ने जीते हैं और केवल एक मैच में पाक को जीत मिली है। प्रशंसकों को दोनो ही टीमों के बीच अब अगला मुकाबला आठ महीने बाद मार्च 2025 में देखने को मिलेगा।**

एक रिपोर्ट के अनुसार, 2025 चैंपियंस ट्रॉफी का ड्राफ्ट शेड्यूल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को सौंप दिया गया है और भारत-पाक का मैच आठ टीमों की 15 मैचों की प्रतियोगिता में लीग मैचों में से अंत में खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट 19 फरवरी से 9 मार्च के बीच खेला जाएगा। मैचों की तारीखों की घोषणा अभी नहीं हुई है। यह मैच लाहौर में खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम को खेलना सरकार की मंजूरी पर निर्भर रहेगा। अगर ऐसा नहीं होतो ये मैच किसी अन्य वैकल्पिक स्थल पर हो सकता है।

वहीं कहा जा रहा है कि पीसीबी को अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाने के लिए कहा गया है। पीसीबी ने 20 दिवसीय प्रतियोगिता के लिए लाहौर, कराची और रावलपिंडी को मैच स्थल के रूप में चुना है, जिसमें लाहौर भारत के लिए मैच स्थल रखा गया है। कार्यक्रम के अनुसार, लाहौर में सात मैच, रावलपिंडी में पांच और कराची के बंदरगाह शहर में तीन मैच होंगे। कराची में 19 फरवरी उद्घाटन मैच खेला जाएगा, जबकि दो सेमीफाइनल कराची और रावलपिंडी में होंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के अनुसार, 9 मार्च को फाइनल लाहौर में होगा, जिसे सभी भारतीय खेलों के साथ-साथ सेमीफाइनल भी आवंटित किया गया है। पीसीबी ने अभी तक किसी अन्य स्थल पर भारतीय टीम के मैच को रखे जाने का विकल्प नहीं रखा है।

# एमएमए की दुनिया में भारतीय पहलवान संग्राम सिंह की एंट्री

**मुंबई।**

भारतीय कुश्ती जगत में एक बड़ा कदम उठाते हुए, पूर्व कॉमनवेल्थ हैवीवेट चैंपियन संग्राम सिंह एमएमए की दुनिया में प्रवेश करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस कदम के साथ, वह एमएमए को अपनाने वाले पहले पुरुष पहलवान और एमएमए फाइटर के रूप में प्रतिस्पर्धा करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। भारत के लिए कुश्ती में लगभग 25 वर्षों तक अपने शानदार करियर के साथ, संग्राम एक एमएमए फाइटर के रूप में अपने नए कदम के लिए तैयार हैं, एक ऐसी शैली जिसमें मूल रूप से पहलवानों के पास मौजूद कौशल शामिल है। संग्राम ने एमएमए फाइटर के रूप में अपने बदलाव पर कहा, एमएमए भविष्य है, पिछले कुछ सालों में इसकी बढ़ती लोकप्रियता अपने आप में ही सब कुछ बयां करती है। भारत में इस खेल को सबसे ज्यादा दर्शक मिलते हैं और मुझे

उम्मीद है कि इस खेल के प्रशंसक भी इसी तरह मेरा समर्थन करेंगे। कुश्ती ने मुझे बहुत कुछ दिया है, जिसमें मेरे देश के लोगों का प्यार भी शामिल है और मुझे उम्मीद है कि वे मेरे नए सफर में भी ऐसा ही करते रहेंगे। एमएमए विश्व मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है और उम्मीद है कि मैं अगली पीढ़ी के एथलीटों को प्रेरित करूंगा जो एमएमए फाइटर के रूप में अपना करियर बनाना चाहते हैं। संग्राम ने हाल ही में दुबई प्रो रेसलिंग चैंपियनशिप में 6 साल के अंतराल के बाद वापसी कर कुश्ती जगत में हलचल मचा दी और उनका लक्ष्य एमएमए के साथ-साथ अपने कुश्ती करियर को जारी रखना है। संग्राम का कमबैक सफल रहा। उन्होंने पाकिस्तान के मुहम्मद सईद को लगभग एकतरफा मुकाबले में हराकर मैट पर अपनी क्षमता साबित की।

इस सफल मुकाबले के बाद एमएमए में कदम रखना स्वाभाविक था क्योंकि एमएमए भविष्य की ओर अगला कदम है और इसकी लोकप्रियता दिन प्रति दिन बढ़ती जा रही है। मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स को दुनिया के सबसे कठिन खेलों में से एक कहा जा सकता है। ये कई सारे मार्शल आर्ट्स का मिश्रण होता है। कुश्ती में संग्राम का व्यापक अनुभव काम आएगा। कुश्ती मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स की आधारशिला है, जिसमें टेकडाउन, नियंत्रण और ग्राउंड-एंड-पाउंड तकनीकों पर जोर दिया जाता है।

### अब गोवा एफसी से खेलते नजर आयेंगे डिफेंडर आकाश

**नई दिल्ली ।** डिफेंडर आकाश सांगवान अब एफसी गोवा क्लब की ओर से इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल सत्र में खेलते नजर आयेंगे। इससे पहले एफसी गोवा क्लब ने आकाश से करार किया। क्लब ने हालांकि ये नहीं बताया है कि ये करार कितने समय के लिए किया गया है पर कहा जा रहा है कि ये लंबे समय के लिए होगा। आकाश ने साल 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में सहायता की थी। सांगवान ने 2017 में क्लब के साथ अपने सीनियर पेशेवर पदार्पण से पहले मिनर्वा पंजाब के साथ अपना फुटबॉल करियर शुरू किया था। उन्होंने 2017-18 सत्र में टीम को आईलीग खिताब जीतने में भी सहायता की। इस खिलाड़ी ने साल 2022 में दो बार के पूर्व आईएसएल चैंपियन चेन्नईयिन एफसी में शामिल होने से पहले चर्चिल ब्रदर्स और राउंडग्लास पंजाब के लिए खेला है। सांगवान ने अब तक 114 पेशेवर मुकाबले खेले हैं और उनके नाम तीन गोल हैं जिनमें से दो पिछले सत्र में सीएफसी के लिए खेलते हुए किए। क्लब से अनुबंध को लेकर उन्होंने कहा, ''मैं एफसी गोवा के साथ इस नए सफर को शुरू करने के लिए उत्साहित हूं। साथ ही कहा कि इस क्लब की महत्वाकांक्षाएं मेरे अनुरुप हैं और मैं उसकी ओर से बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं।

सुझाव

# आपके शरीर में है प्रोटीन की कमी?

मानव शरीर में ऊर्जा के लिए प्रोटीन की भरपूर मात्रा की आवश्यकता होती है। इसकी कमी के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारियां भी हो सकती हैं, शरीर में प्रोटीन की कमी के लक्षणों को जानना बहुत जरूरी है।

**प्रोटीन की कमी:** प्रोटीन हमारे शरीर के लिए आवश्यक तत्व होता है, यह हमारे शरीर में कोशिकाओं का निर्माण करता है। इसकी कमी से शरीर में कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, साथ ही शरीर में ऊर्जा की कमी हो जाती है। प्रोटीन की कमी का पता चलने में अक्सर समय लग जाता है। जिससे हमारे शरीर को काफी नुकसान हो जाता है। यहां हम आपको इस स्लाइडशो के जरिए उन संकेतों के बारे में बता रहे हैं जो शरीर में प्रोटीन की कमी की तरफ इशारा करते हैं।

**मिठाई खाने की तलब:** शरीर में प्रोटीन की कमी होते ही मिठाई खाने की तलब बढ़ जाती है। आप कितना भी मीठा खा लो, आपका मन नहीं भरता है। ये प्रोटीन की कमी का सबसे प्रमुख संकेत होता है। प्रोटीन आपके शरीर का ब्लड शुगर संतुलित रखता है। अगर आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तो आपका ग्लूकोज लेवल भी असंतुलित हो जाता है। इसलिए मिठाई खाने की अधिक चाहत हो रही है तो इसे नजरअंदाज न करें।

**एकाग्रता की कमी:** एकाग्र रहने के लिए संतुलित ब्लड शुगर की जरूरत होती है। जब आपके शरीर में प्रोटीन की कमी होती है तो ग्लूकोज का लेवल लगातार बढ़ता-घटता रहता है। आपका दिमाग सही ढंग से काम नहीं करता है। दिमाग को सही तरीके से सक्रिय रखने में कार्ब की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है, लेकिन प्रोटीन की कमी के चलते वे शरीर में नहीं पहुंचते हैं। जिससे दिमाग एकाग्र नहीं हो पाता।

**रिकवर होने में ज्यादा समय लगना:** टफ वर्कआउट के बाद भी मसल्स बनने में समय लगने के अलावा, चोट के ठीक होने में अगर ज्यादा समय लग रहा है तो इसका मतलब आपके शरीर में प्रोटीन की कमी है। आपका शरीर रिकवर होने में समय लेगा। सामान्य सा तर्क है, प्रोटीन आपके शरीर में नए ऊतकों का निर्माण करता है। जब प्रोटीन कम होगा तो नए टिश्यू के निर्माण में भी समय लगेगा।

**बालों का झड़ना:** प्रोटीन आपके बालों की कोशिकाओं का भी निर्माण करता है। आपके बालों की कोशिकाएं मजबूत होगी तो आपके बाल भी मजबत और चमकदार रहेंगे लेकिन आगर आप लगातार आपके बालों को पोषण देने वाले तत्व की अनदेखी करेंगे तो आपके सिर से बालों की डेंसिटी कम होने में समय नही लेगी।

**कमजोरी होना:** सभी जानते है कि मसल्स बनाने में प्रोटीन एक महत्वपूर्ण तत्व होता है। अगर आप भरपूर मात्रा में प्रोटीन नहीं ले रहे, तो थोड़े समय में आपकी मसल्स सिकुड़नें लग जाएगी। जिसके चलते आपको कमजोरी का अहसास होगा साथ ही आप व्यायाम भी सही तरीके से नहीं कर पाएंगे।

**लगातार बीमार होना:** प्रोटीन सिर्फ आपके मसल्स ही नहीं बनाता बल्कि आपके इम्यून सिस्टम को भी ठीक रखता है। इसलिए अन्य लोगों की तुलना में अगर आपको कोल्ड की समस्या अधिक हो सकती है। इसका कारण प्रोटीन की कमी हो सकती है। अगर आपके नाखूनों के आसपास की त्वचा निकल जाती हो तो ये भी प्रोटीन की कमी से ही होता है।

**इन बातों का ध्यान रखें:** प्रति किलोग्राम वजन के अनुपात से मनुष्य को एक ग्राम प्रोटीन की आवश्कता होती हैं अर्थात यदि वजन 50 किलो है तो नित्य 50 ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। प्रोटीन शाकाहारी और मांसाहारी दोनों प्रकार के भोजन में मौजूद पाया जाता है। यदि दोनों को भोजन में एक साथ लिया जाए तो शरीर में प्रोटीन की प्रचुर मात्रा शामिल की जा सकती है। अगर आप शाकाहारी हैं तो डेयरी उत्पादों के जरिये।

## बुलिमिया इटिंग डिसऑर्डर

बुलिमिया वास्तव में इटिंग डिसऑर्डर है, जो धीरे-धीरे साइकॉलजिकल डिसऑर्डर बन जाता है। अगर वक्त रहते ध्यान देकर कंट्रोल न किया जाए तो यह गंभीर समस्या का रूप ले सकती है। बुलिमिया से पीड़ित लोग न चाहते हुए भी खाते जाते हैं। अपने इमोशन को कंट्रोल नहीं कर पाते हैं। उनके साथ एक समस्या यह भी है कि पहले तो ज्यादा खा लेते हैं, इस वजह से वोमेटिंग कर खाना को बाहर निकालने की भी कोशिश करते हैं।

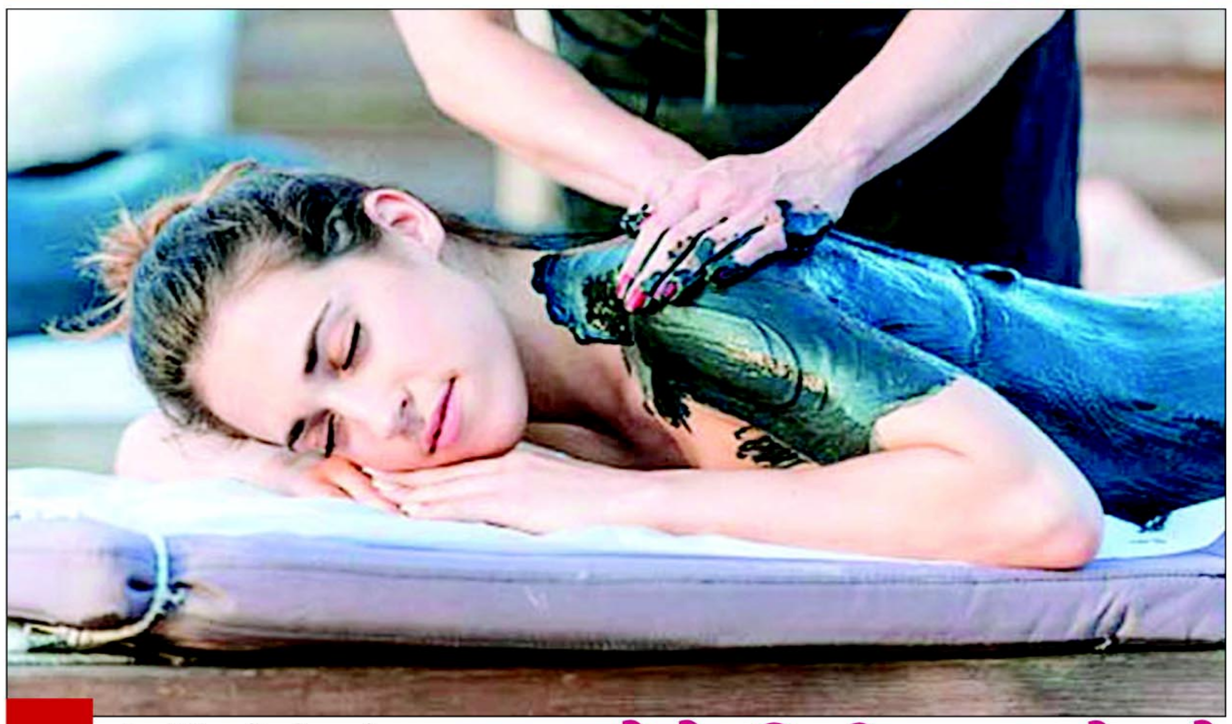

# मड थेरेपी के अनोखे स्वास्थ्य लाभ

प्राकृतिक चिकित्सा में माटी का प्रयोग कई रोगों के निवारण में प्राचीन काल से ही होता आया है। नए वैज्ञानिक शोध भी प्रमाणित करते हैं कि माटी चिकित्सा (मड थेरेपी) की शरीर को तरो ताजा करने जीवंत और उर्जावान बनाने में महत्वपूर्ण उपयोगिता होती है। चर्म रोग व सौंदर्य संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मड थेरेपी कारगर है। यह एक महत्वपूर्ण नेचुरोपैथी है। मड के प्रयोग से ही शरीर की कई बीमारियों को दूर किया जा सकता है।

मुंहासों के इलाज में-अच्छी तरह से साफ करने वाली तथा कोमल-मड, जैसे मुलतानी मिट्टी का पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह पैक मुंहासों से छुटकारा पाने तथा त्वचा को प्राकृतिक चमक प्रदान करने में सहायक होता है।

पाचन में सहायक-पेट के निचले हिस्से पर मड पैक लगाने से यह पाचन में सुधार करने में मदद करता है। यह अभ्यास आंतों की गर्मी को कम करने में समर्थ सिद्ध होती है, साथ ही आंतों के क्रमाकुंचन (पेरिस्टॉसिस) आंदोलन को भी उत्तेजित करता है। इसके अलावा पेट में गैस या दर्द होने की स्थिति में राहत पाने के लिए पेट पर मड पैक लगाने की सलाह दी जाती है।

कब्ज-पेट पर मड पैक लगाने पर यह कब्ज वाली आंत के लिए एक अद्भुत प्राकृतिक उत्तेजित का काम करता है। इसलिये ही नैचुरोपैथी में भी कब्ज की समस्या से छटकारा दिलाने के लिए पेट पर मड पैक लगाया जाता है।

डायरिया और उल्टी-दस्त हो जाने पर भी मड पैक सहायक सिद्ध होता है। इस समस्या के होने पर पेट पर मड पैक लगाया जाता है। वहीं उल्टी के मामले में मड पैक को छाती पर लगाया जाता है। इसे लगाने से उलटियां बंद हो जाती हैं।

ड्राई स्किन के लिए-ड्राई स्किन और मांसपेशियों के दर्द से परेशान हैं, तो मड थेरेपी करवाएं। यह थेरेपी आपको तुरंत राहत देगी और आप फ्रेश महसूस करेंगे। इस थेरेपी से सौंदर्य में तो निखार आता ही साथ ही यह एंटी एजिंग का काम भी करती है। मड थेरेपी से रोगों को दूर करने और शारीरिक सौंदर्य को बनाए रखने के लिए शरीर के अलग-अलग भागों पर मिट्टी का लेप किया जाता है।

नेत्र समस्याओं के लिए-आंखों पर मड पैक लगाने से आंखों की मांसपेशियों को आराम मिलता है तथा इसे नेत्र दृष्टि वृद्धि के लिए भी फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा नेत्र विकृतियों जैसे नेत्रश्लेष्मलाशोथ तथा स्टाई में भी यह फायदेमंद होता है।

त्वचा समस्याओं के लिए-एजिमा जैसी त्वचा समस्याओं से मड पैक लगाकर निजात पाई जा सकती है। ऐसा मिट्टी की स्वाभाविक प्रवृत्ति, एंटी टॉसिक और ठंडा होने की वजह से होता है। ऐसे में साबुन की जगह मड से नहाने की सलाह दी जाती है।

सिर दर्द व तनाव-मड थेरेपी सिर दर्द के लिए भी एक कारगर उपचार हो सकती है, विशेषकर गर्म और आर्द्र बाहरी वातावरण के साथ जुड़े सिर दर्द के मामले में। ऐसे में मड पैक को माथे पर लागू करने की सलाह दी जाती है (और यदि जरूरत हो तो पूरे सिर पर भी)। इससे सिर की गर्मी दूर होती है और सिर दर्द और तनाव भी दूर हो जाता है।

बुखार व घाव के उपचार में-बुखार से राहत पाने के लिए मड पैक को पेट के साथ माथे पर लगाया जा सकता है। मड में एंटी-इंलेमेटरी गुण होता है, इसलिए यह घाव और निशानों के उपचार के लिए भी काफी कारगर विकल्प होता है।

सलाह

# पपीते में छिपा है सेहत का राज

**पपीते में विटामिन की मात्रा**

| | |
|---|---|
| कैल्शियम | - 5% |
| मैग्नीशियम | - 5% |
| डाइटरी फाइबर | - 6% |
| पोटेशियम | - 5% |
| विटामिन ए | -19% |
| कार्बोहाइड्रेट | - 5% |

पपीता एक टेस्टी और हेल्दी फ्रूट है। पपीता फ्रूट ही नहीं, इसका पूरा पौधा कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है। कच्चे पपीते में विटामिन ए और सी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। आयुर्वेद में पपीता को अनेक लाइलाज बीमारियों को दूर करने वाला माना गया है। पपीता पाचन संबंधी दिक्कतों को दूर करने वाला, पीलिया, हर्निया, प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाला, दिल के लिए उपयोगी और कोलेस्ट्रॉल के रोगियों के लिए यह अमृत के समान है। आज हम आपको पपीते के गुणों के बारे में बता रहे हैं।

### दिल की दिक्कत के लिए

पपीता हाई ब्लडप्रेशर के रोगियों के लिए बेहद फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें कारपेन या कार्पेइनज् नामक एक क्षारीय तत्व होता है जो ब्लडप्रेशर को नियंत्रित करता है। इसी कारण हाई ब्लड प्रेशर के रोगी को एक पपीता (कच्चा) नियमित रूप से खाना चाहिए। दिल के रोगियों के लिए भी पपीता बहुत फायदेमंद होता है। अगर वे पपीते के पत्तों का काढ़ा बनाकर नियमित रूप से एक कप रोज पीते हैं तो बहुत फायदा करता है।

### पपीता के अन्य गुण

खूबसूरती बढ़ाने के के लिए भी पपीते का इस्तेमाल किया जाता है। पपीते को चेहरे पर रगडने् से स्किन प्रॉब्लम्स दूर होते हैं। इसे लगाने से स्किन ग्लो करने लगती है, लेकिन इसके लिए हमेशा पके पपीते का ही प्रयोग करना चाहिए। अच्छे पके हुए पपीते के गूदे को उबटन की तरह चेहरे पर लगाएं। आधा घंटा लगा रहने दें। जब वह सूख जाए तो गुनगुने पानी से चेहरा धो लें तथा मूंगफली के तेल से हल्के हाथ से चेहरे पर मालिश करें। ऐसा कम से कम एक माह तक नियमित करें।कब्ज व बावासीर जैसी समस्याओं में पपीता बहुत फायदेमंद होता है। बवासीर के रोगियों को प्रतिदिन एक पका पपीता खाना चाहिए। बवासीर के मस्सों पर कच्चे पपीते के दूध को लगाते रहने से काफी फायदा होता है।

### पपीते में गुण

- इसमें विटामिन और पपाइन पाया जाता है। इससे त्वचा की रंगत में निखार आने के साथ ही ग्लो भी बढ़ता है।
- इसमें पाए जाने वाले मिनरल्स, विटामिन और एंजाइम्स से बाल सेहतमंद होते हैं।
- पपीते के बीज में लिवर को ठीक करने के गुण होते हैं। इन्हें भी दुनिया के कुछ भागों में खाया जाता है। इन्हें शहद के साथ या काली मिर्च के साथ पीसकर खाया जाता है।
- इसे हाइपरटेंशन की दवा के तौर पर भी यूज किया जा सकता है। इसमें पाए जाने वाले पोटेशियम के कारण यह ब्लड़ प्रेशर को नियंत्रण में रखता है।
- पपीते का अधिक सेवन कर लेने से कैरोटेनेमिया नामक बीमारी हो सकती है। इसमें हथेलियों और तलवों की त्वचा बहुत अधिक पीली हो जाती है।
- पपीते का लगातार सेवन करने वाले कुछ लोगों को बार-बार दस्त लगने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इससे बचने के लिए सप्ताह में तीन दिन से ज्यादा पपीता नहीं खाएं। यदि कच्चा पपीता खा लिया जाए तो यह गले की खराश का कारण बन सकता है। वैज्ञानिक रूप से पपीते को बेर की श्रेणी वाले फलों में शामिल किया गया है। इसे फरिश्तों का फल कहा गया है।

# मानसून का आनंद आयुर्वेद के संग

गर्मी के बाद मानसून किसी त्यौहार से कम नही होता। इस मौसम में लोग अनेक तरीको से बारिश का आनंद लेते हें। लेकिन अकसर इस बात से अनजान रहते हैं कि यह मौसम कई तरह की बीमारियों, संक्रमणों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का भी होता है। मौसम में आए अचानक परिवर्तन से हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। जिससे कई तरह की बीमारियां हमें घेर लेती है। आयुर्वेद के अनुसार मानसून में पित्त बहुत अधिक बढ़ जाता है। और अग्नि तत्व जो हमारे शरीर को कार्यात्मक ऊर्जा प्रदान करता है तथा चयापचय और भोजन को पाचने के लिए जिम्मेदार होता है। इस दौरान कमजोर हो जाता है।

### आद्रता के स्तर बढ़ जाने से तरल पदार्थो की कमी

इस मौसम में पित्त के कारण पेट संबंधी, अपच, एसिडिटी, त्वचा संबंधित बीमारियां जैसे फोड़े- फुंसियां, एक्जिमा और बालों का झड़ना और संक्रमण जैसी सामान्य बीमारियां आम होती हैं। साथ ही वातावरण में आद्रता के स्तर के बढ़ जाने से शरीर से महत्वपूर्ण तरल पदार्थों की कमी हो जाती है। इसलिए अगर आप वास्तव में मानसून का आनंद लेना चाहते हैं, तो निम्न सुझावों का पालन करें और स्वस्थ रहें।

### ज्यादा तेल के प्रयोग से बचें

इस मौसम में पाचन क्रिया कमजोर हो जाती है इसलिए भारी तेल जैसे सरसो, मखन, मूंगफली और अन्य तेलों के स्थान पर खाना बनाने के लिए हलके तेल जैसे घी, ऑलिव ऑयल, कॉर्न ऑयल और सनफ्लावर ऑयल का उपयोग करें।

### उबली सब्जियां खाएं

मानसून में हलके और आसानी से पचने वाले खाद्य पदार्थ, पकी हुई या स्टीम सब्जियां, कद्दू, फल, मूंग दाल, खिचड़ी, कॉर्न, काबुली चने का आटा और ओटमील आदि खाएं। इसके अलावा कच्चे सलाद की जगह स्टीम सलाद लें।

### बाहर खाने से बचें

मानसून में सड़क के किनारे बिकने वाले खाद्य पदार्थों को न खाए। साथ ही बाहर खाना खाते समय सावधान रहें और सुनिश्चित करें कि आप जिस स्थान पर खाना खाने जा रहे हैं वह साफ सुथरा हो।

### मसालों से दूरी

में बहुत अधिक भारी, गर्म, खट्टे जैसे चटनी, अचार, मिर्ची, दही, करी आदि खाद्य पदार्थों को खाने से वाटर रिटेंशन, अपचन, एसीडिटी और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए तले हुए पदार्थ, जंक फूड, मिर्च मसालों से भरपूर मांस न खाएं। साथ ही सलाद और हरी सब्जियां भी न खाएं।

### तिल के तेल की मालिश

मानसून में हते में एक से दो बार तिल के तेल की मालिश करने से रक्त संचार ठीक रहता है, जिससे आपको स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि कुछ लोगो को तिल का तेल गर्म कर सकता है अत: ऐसे लोगो को नारियल के तेल का उपयोग करना चाहिए।

### कसैली चीजों का सेवन करें

कसैला स्वाद पित्त को निष्प्रभावित करने में मदद करता है। इसलिए कड़वी सब्जियां जैसे करेला और कड़वी जड़ी-बूटियां जैसे नीम, सूखी मेथी और हल्दी अधिक खाएं। इसके अलावा ये सब चीजें आपको संक्रमण से बचाती हैं।

### हल्की एक्सरसाइज करें

बहुत अधिक भारी एसरसाइज जैसे दौड़ना, साइकिलिंग आदि को करने से पित्त बढ़ती है। इसलिए इसे करने से बचे और इनके स्थान पर योग, वॉकिंग, स्विमिंग और स्ट्रेचिंग आदि हल्की एसरसाइज करें।

### उत्तेजित होने से बचें

क्रोध, जलन, ईर्ष्या और अहंकार जैसे गर्म भावनाओं से बचें। योंकि इन भावनाओं से पित्त में वृद्धि होती है और यह एक्जिमा, ईर्ष्या मूत्र पथ के संक्रमण का कारण हो सकता है।

# ये हैं ग्रीन-टी पीने का सही समय

फिट रहने के लिए कई लोग ग्रीन-टी का सेवन करते हैं। यह शरीर की फिटनेस ही नहीं सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसमें पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडेंट शरीर का मोटापा कम करने में मदद करते हैं लेकिन कुछ लोग जल्दी पतले होने की चाह में दिन में कई बार इसका सेवन कर लेते हैं जिससे शरीर को नुकसान भी हो सकता है। इससे शरीर में आयरन की कमी हो जाती है और पेट की भी कई समस्याएं हो सकती हैं। इसके लिए ग्रीन-टी सही समय और उचित मात्रा में पीएं जिससे सेहत को फायदा मिले।

**सही समय :** ग्रीन-टी से शरीर को फायदा पहुंचाने के लिए इसको सही समय पर पीना बहुत जरूरी है। भोजन करने से 1 या 2 घंटे पहले ग्रीन-टी का सेवन करें।

**खाली पेट :** ग्रीन-टी पीने से मोटापा कम होता है इसलिए कई लोग इसे खाली पेट पीना पसंद करते हैं जिससे चर्बी जल्दी कम हो लेकिन खाली पेट पीने से काफी नुकसान होता है। इसमें कैफिन होता है जिसे खाली पेट पीने से आंतों की कई समस्याएं हो जाती हैं।

**गर्म पानी :** कुछ लोग ग्रीन-टी को आम चाय की तरह बना कर पीते हैं। इसमें दूध और शक्कर डालकर पीने से शरीर को कोई फायदा नहीं होता और न ही मोटापा कम होता है। इसके लिए हमेशा गर्म पानी का ही इस्तेमाल करें।

**शहद :** जिस तरह गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन कम होता है उसी तरह ग्रीनटी में भी शहद मिलाकर पीएं। ग्रीन-टी से पेट की पाचन शक्ति ठीक रहती है और शहद से पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। ऐसे में इन दोनों का साथ में सेवन करने से काफी फायदा होता है।दो-तीन कप

खाने के तुरंत बाद कभी भी ग्रीन-टी का सेवन न करें। इसके अलावा दिन में कम से कम 2-3 कप ग्रीन-टी ही पीएं। इसके अधिक सेवन से लीवर को नुकसान होता है।

## मुलेठी खाने के अनोखे फायदे

हर व्यक्ति चाहता है कि वो स्वस्थ रहे लेकिन इसके लिए क्या करे, ये समझ नहीं पाता। मुलेठी एक ऐसी औषधी है जिसके प्रयोग से कई बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है। ग्लिसराइजिक एसिड के होने के कारण इसका स्वाद शक्कर से पचास गुना अधिक मीठा होता है। यह पेट के रोग, सांस संबंधी रोग और स्तन रोग को दूर करती है। आइे जानिए इसके फायदे।

गले की खराश: गले में खराश, सर्दी और खांसी में इसका सेवन करने से बहुत आराम मिलता है। जिन लोगों को दमा की समस्या हो उनके लिए मुलेठी फायदेमंद होती है। यह बलगम को निकालती है और खांसी से आराम मिलता है।

कैविटी : मुलेठी दांतों में कैविटी करने वाले बैक्टीरिया को रोकती है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए इसके जड़ के पाउडर का प्रयोग करना चाहिए।

## रेसिपी

### केरला परांठा

**सामग्री**

- मैदा 1 कप
- नमक आधा चम्मच
- अजवायन आधा चम्मच
- घी 3 चम्मच
- पानी 2 कप

**विधि**

मैदे को सबसे पहले छान लें, फिर उसमें नमक, अजवायन और 3 चम्मच घी डालें। अब गर्म पानी की मदद से उसे मुलायम गूंथ लें। जब आटा गुंथ जाए तब इसे गीले कपड़े से 30 मिनट के लिए ढंक कर रख दें तथा 30 मिनट बाद आटे से 3 लोइयां बना लें। एक लोई उठाएं और गोल कर के चपटा करें। सूखे मैदे की सहायता से इसे एकदम पतला बेलें। बेले गए परांठे के ऊपर एक चम्मच घी डालें और घी को चारों ओर फैला दें। परांठे को हाथों से कई बार गोल-गोल फोल्ड कर लें। फोल्ड किए गए परांठे को रोल करके गोल लोई तैयार कर लें। लोई से 7-8 इंच व्यास का परांठा बेलें। अब बेले गए परांठे को गर्म तवे पर डालें तथा दोनों ओर घी लगाकर अच्छे से ब्राऊन होने तक सेंक लें।

### खजूर की चटनी

**सामग्री**

- 100 ग्राम खजूर
- 1/2 चम्मच लाल मिर्च पावडर
- 1/2 चम्मच भुना जीरा पावडर
- 1/4 चम्मच काला नमक
- नमक स्वादानुसार

**विधि**

सबसे पहले खजूर की चटनी को बनाने के लिए सभी खजूर के बीच में से गुठली निकाल दें, फिर खजूर को धोकर इसमें एक कप पानी डाल दें। उसके बाद 2 घंटे के लिए खजूर को भिगो कर रख दें। उसके बाद खजूर को 5 मिनट के लिए ब्लेंडर में बारीक पीस लें। अब इसमें लाल मिर्च पावडर, जीरा पावडर, काला और सादा नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। लीजिए खजूर की चटनी तैयार है। इसे रोटी या पराठे के साथ सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**